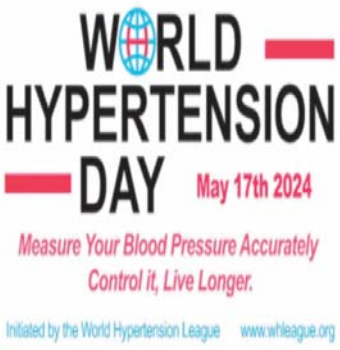

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 275/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 17 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

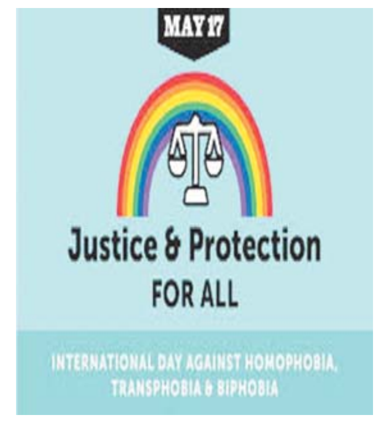

कब शुरू होगा चातुर्मास? चार महीने नहीं किए जा सकेंगे मांगलिक कार्य

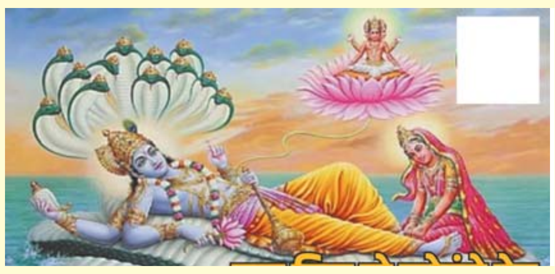

हर साल चार महीने के लिए चातुर्मास लगता है। इस दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करने की मनाही होती है। इस साल 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। यह पर्व जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार 17 जुलाई 2024 को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से ही चातुर्मास शुरू हो रहा है। ये 12 नवंबर 2024 तक चलेगा।

चातुर्मास में मांगलिक कार्यों पर रोक चातुर्मास में भगवान विष्णु शयन काल में चले जाते हैं यानी इस समय वह अपनी आंखें बंद करके ध्यान लगाते हैं। लगभग चार महीने के बाद वो योग निद्रा से जागते हैं। इसी वजह से इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है।

इन कार्यों पर रोक इस समय शादी, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण आदि नहीं किए जाते हैं। 4 महीने तक प्याज और लहसुन आदि तामसिक भोजन करने की भी मनाही होती है।

मुहूर्त आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 16 जुलाई को संध्याकाल 8 बजकर 33 मिनट से शुरू होगी और 17 जुलाई को शाम 9 बजकर 2 मिनट पर समाप्त होगी। इस तरह 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 11 नवंबर को संध्याकाल 6 बजकर 46 मिनट से लेकर 12 नवंबर को संध्याकाल 4 बजकर 04 मिनट पर समाप्त होगी। अतः 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। 13 नवंबर से शादी-सगाई समेत सभी शुभ कार्य किए जाएंगे।

धार्मिक महत्व भगवान विष्णु की नींदः चार्तुमास भगवान विष्णु के चार महीने की नींद की अवधि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी के दिन क्षीर सागर में शेषनाग पर शयन करते हैं और प्रबोधिनी एकादशी के दिन जागते हैं।

धार्मिक अनुष्ठानों का समयः चार्तुमास को धार्मिक अनुष्ठानों, व्रतों और पूजा-पाठ के लिए एक पवित्र अवधि माना जाता है।

मोक्ष प्राप्ति का अवसरः ऐसा माना जाता है कि चार्तुमास के दौरान किए गए धार्मिक कार्य मोक्ष प्राप्ति में सहायक होते हैं।

आध्यात्मिक महत्व- आत्मनिरीक्षण का समयः चार्तुमास को आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक विकास का समय माना जाता है।

इंद्रियों पर नियंत्रणः इस अवधि में, भक्तों को इंद्रियों पर नियंत्रण, सात्विक आहार का सेवन और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

दान-पुण्य का महत्वः चार्तुमास में दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है।

चार्तुमास के दौरान किए जाने वाले प्रमुख व्रत और त्यौहार-
देवशयनी एकादशीः भगवान विष्णु के शयन का प्रतीक।
श्रावण मासःभगवान शिव की पूजा का महीना।
गणेश चतुर्थीः भगवान गणेश का जन्मोत्सव।
पितृ पक्षः पितरों को श्रद्धांजलि देने का पक्ष।
नवरात्रिः देवी दुर्गा की पूजा का नौ दिवसीय त्योहार।
दशहराः भगवान राम द्वारा रावण का वध।
दीपावलीः प्रकाश का त्योहार।
प्रबोधिनी एकादशीः भगवान विष्णु के जागरण का प्रतीक।

चार्तुमास का पालन कैसे करें -
नियमित पूजा-पाठः प्रतिदिन सुबह और शाम को भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की पूजा करें।
धार्मिक ग्रंथों का अध्ययनः गीता, रामायण, भागवत पुराण आदि धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें।

देवकीनंदन के बोल- हर हिंदू पांच-पांच बच्चे पैदा करें, तभी रहेंगे सुरक्षित

जबलपुर। सुप्रसिद्ध कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने एक बार फिर हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दे डाली है. जबलपुर पहुंचे देवकीनंदन शास्त्री ने कहा कि देश में अगर सनातन धर्म को बचाना है तो बहुसंख्यक समुदाय की संख्या को बढ़ाना होगा. उन्होंने कहा कि हर हिंदू दंपति को कम से कम पांच बच्चे पैदा करना चाहिए.

जबलपुर में पत्रकारों से बातचीत में कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि आजादी के बाद से हिंदुओं की आबादी अन्य धर्म की तुलना में 7त्न घटी है.परिवार नियोजन के नियमों का पालन करने के लिए केवल हिंदुओं से कहा जाता है, जबकि अन्य धर्म के लोग परिवार नियोजन को दरकिनार कर जनसंख्या बढ़ा रहे हैं। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि जब तक देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं बन जाता तब तक हर हिन्दू दंपत्ति को पांच-पांच बच्चे पैदा करना चाहिए. हालांकि, उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कानून का भी समर्थन किया है।

श्री शिव समाराधन यज्ञ के लिए जबलपुर पहुंचे देवकीनंदन ठाकुर का कहना है कि, मेरी तरफ से भी जनसंख्या नियंत्रण कानून को बनाने के लिए याचिका लगाई गई है लेकिन जब तक यह कानून नहीं बन जाता तब तक हिंदुओं की जनसंख्या को बढ़ाना होगा।

मप्र में 3 मेडिकल कॉलेज के डीन पदस्थ

भोपाल। राज्य सरकार ने प्रदेश के 3 मेडिकल कॉलेज में नए सिरे से डीन की पद स्थापना की है। ग्वालियर के गजराज चिकित्सा महाविद्यालय में डॉक्टर आर के एस धाकड़, छिंदवाड़ा इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस छिंदवाड़ा में डॉक्टर अभय कुमार और श्रीमंत राजमाता विजया राजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय शिवपुरी में डॉक्टर धर्मदास परमहंस को डीन बनाया गया है।

इस संबंध में राज्य के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि इन डीन की नियुक्ति शासन द्वारा गठित चयन समिति की अनुशंसा पर प्रतीक्षा सूची में प्रविण्यता क्रम अनुसार कुछ शर्तों के अधीन जारी की गई है।

बाराबंकी में पीएम बोले-ये जीते तो राम मंदिर पर बुलडोजर चला देंगे

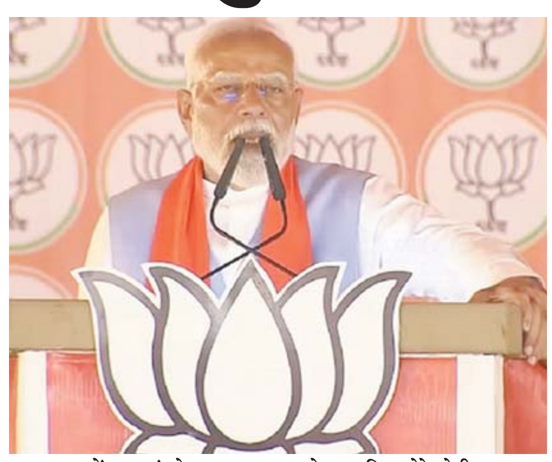

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाराबंकी में चुनावी रैली में कहा- सपा-कांग्रेस वाले सरकार में आए तो फिर से रामलला को टेंट में भेज देंगे। ये लोग राम मंदिर पर बुलडोजर चला देंगे। इन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि बुलडोजर कहां चलाना है और कहां नहीं।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने कह दिया कि रायबरेली के लोग प्रधानमंत्री चुनेंगे। यह सुनते ही समाजवादी शहजादे का दिल ही टूट गया। बस आंसू नहीं निकले। शहजादे के दिल के सारे अरमान निकल गए। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है। ये इंडी वाले ताश के पत्तों की तरह बिखरना शुरू हो गए। समाजवादी शहजादे ने एक नई बुआ की शरण ली है। ये नई बुआ बंगाल की हैं।

मोदी बोले- अब यूपी में उद्योगपति आ रहे
मोदी ने कहा- मैं 2014 से स्वच्छता अभियान में लगा हूं। देश साफ-सुथरा होना चाहिए। मेरे योगी जी भी सफाई अभियान चला रहे हैं। अब ये सफाई होने के कारण यूपी में निवेश बढ़ा है। अब विश्वास के चलते उद्योगपति यूपी आ रहे हैं। यहां सबरी का आश्रम है, जहां राजकुमारों की शिक्षा-दीक्षा हुई। यहां जगह-जगह राम के पद चिह्न हैं। विकास और विरासत के लिए आपका वोट चाहिए। ज्यादा से ज्यादा मतदान करने जाना है।

मोदी ने कहा- बाराबंकी-मोहनलालगंज के छोटे किसानों को पीएम किसान स्वनिधि के तहत एक हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। यहां का गमछा हमें गिफ्ट किया गया। अब ये गमछा बहुत फेमस हो रहा है। योगी जी ने वन डिस्ट्रिक-वन प्रोडेक्ट बहुत बढ़िया चल रहा है। गमछा को जीआई टैग दिया। इसकी प्रसिद्धी की है।

मोदी बोले- वोट जिहाद वालों के लिए रिजर्व रहती थी बिजली मोदी ने कहा- आपको याद है न सपा के शासन में क्या होता था। बिजली भी वोट जिहाद करने वालों के लिए रिजर्व रहती थी। जिस वोट बैंक के पीछे ये लोग भागते हैं। अब उस वोट बैंक के वोटर भी इनकी बात समझने लगे हैं। तीन तालाक के बाद अब माता-बहनें हमें भी आशीर्वाद देने लगी हैं।

शाह बोले- केजरीवाल जहां जाएंगे, शराब घोटाले की याद दिलाएंगे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शराब नीति केस को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल प्रचार के लिए जब भी जहां भी जाएंगे, लोगों को शराब घोटाला याद आएगा। कई लोगों को तो बड़ी बोतल दिखेगी।

विपक्ष के संविधान बदलने वाले बयान पर अमित शाह ने न्यूज एजेंसी हृद्ध को दिए इंटरव्यू में कहा- संविधान बदलने का बहुमत हमारे पास 10 साल से है। हमें 400 सीटें चाहिए, क्योंकि देश में राजनीति में स्थिरता लाना चाहते हैं, क्योंकि देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना है।

हमने 10 सालों में अनुच्छेद 370 को निरस्त किया, तीन तलाक को खत्म किया, राम मंदिर बना, सीएए लेकर आए। बहुमत के दुरुपयोग करने का इतिहास हमारी पार्टी का नहीं है। बहुमत का दुरुपयोग इंदिरा गांधी के समय में कांग्रेस ने किया था।

भारतीय फिल्म मंथन का आज फ्रांस के 77 वें वार्षिक कान्स फिल्म फेस्टिवल में रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो होगा

नई दिल्ली। फ्रांस में 14 से 25 मई तक आयोजित हो रहे सुविख्यात 77 वें वार्षिक कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए इस वर्ष क्लासिक सेक्शन में चयनित जाने माने निर्माता निर्देशक श्याम बेनेगल द्वारा निर्मित लोकप्रिय फिल्म मंथन (1976) का 17 मई को कान्स में रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो होगा।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक और दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर राजघराने से संबद्ध शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर के नेतृत्व में 48 वर्ष पुरानी इस फिल्म मंथन के पुनरुद्धार का कार्य किया गया है। शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर ने बताया कि 17 मई को फ्रांस के 77 वें वार्षिक कान्स फिल्म फेस्टिवल में दोपहर 3 बजे (भारतीय समय अनुसार देर रात) होने वाई इस रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो में उनके साथ ही भारत सरकार के सूचना मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, फिल्म के मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, सिने तारिका दिवंगत स्मिता पाटिल के पुत्र प्रतीक बब्बर, बहने डॉ. अनीता पाटिल देशमुख एवं मान्या पाटिल सेठ, भारत में श्वेत क्रांति के जनक दिवंगत डॉ. वर्गीस कुरियन की बेटी निर्मला कुरियन, गुजरात सहकारी दुग्ध मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ.जयेन मेहता भी रेड-कार्पेट वर्ल्ड प्रीमियर शो में भाग लेंगे। फिल्म के निर्माता श्याम बेनेगल स्वास्थ्य कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो पा रहे है।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती दी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। केजरीवाल ने ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती दी है। जांच एजेंसी ने 21 मार्च को केजरीवाल को अरेस्ट किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 21 दिन यानी एक जून तक अंतरिम जमानत दी है। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना होगा।

ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत का विरोध किया था। उन्होंने कहा था- केजरीवाल को जमानत दी गई तो एक गलत मिसाल कायम होगा। इससे आम लोगों को लगेगा कि राजनेताओं का एक अलग वर्ग है। कई ऐसे लोग जेल में हैं, जो इस आधार पर जमानत मांगेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- अगले हफ्ते बहस जारी रहेगी

सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को कहा था, गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर बहस अगले सप्ताह जारी रहेगी। 20 मई से शुरू होने वाली गर्मी की छुट्टियों से पहले याचिका पर फैसला सुनाने का प्रयास करेगी। ऐसे में अगर कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध पाया तो वो फिर जेल नहीं जाएंगे। हालांकि, अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें 2 जून को तिहाड़ जेल वापस जाना पड़ेगा।

डाक मतपत्रों से शुरू होगी मतगणना, 29 जिला मुख्यालयों पर होगी गिनती

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब मतगणना की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। डाक मतपत्रों से मतगणना की शुरुआत होगी। इनकी गिनती 29 जिला मुख्यालयों पर होगी। जबकि, ईवीएम के वोटों की गिनती 52 जिला मुख्यालयों पर होगी। इस बार 49 हजार 400 मतदाताओं ने घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाया है। इनके अलावा 75 हजार 346 सेवा मतदाताओं को मतपत्र जारी किए गए हैं। चार जून को सुबह आठ बजे तक जो मतपत्र जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्राप्त होंगे, उन्हें गिनती में शामिल किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मतगणना के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को चिन्हित कर लिया है। सभी जिला मुख्यालयों पर मतगणना होगी लेकिन डाक मतपत्र केवल 29 सीटों के जिला मुख्यालयों पर होगी। इसके लिए अलग से टेबल लगाई जाएगी।

बड़वानी में ट्रैक्टर-कार में भिड़ंत, सीएनजी टैंक में लगी आग, 5 लोगों ने कूदकर बचाई जान

बड़वानी। जिले के नेशनल हाईवे पर बकवाड़ी के पास ट्रैक्टर और आर्टिका कार में भिड़ंत हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार में लगे सीएनजी टैंक में आग लग गई। कार में सवार सभी 5 लोगों ने कूद कर जान बचाई। ड्राइवर के हाथ में और एक महिला के सिर में गंभीर चोट आई है।

संविधान पीठ का फैसला कम संख्या वाली पीठ को मानना बाध्यकारी, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जजों की कम संख्या वाली पीठों पर संविधान पीठ का फैसला बाध्यकारी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के एक फैसले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। 7 अप्रैल 2022 के एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई पंचायत उस जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकती, जो हरियाणा के भूमि कानून के तहत असली मालिकों से मंजूर अधिकतम सीमा तक ली गई हो।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि पंचायतें उन जमीनों का सिर्फ प्रबंधन और नियंत्रण कर सकती हैं और उन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकतीं। पीठ ने कहा कि भूमि मालिकों को जमीन वापस भी नहीं की जा सकती क्योंकि जमीन का अधिग्रहण वर्तमान की जरूरतों के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा करते हुए कहा कि संविधान पीठ द्वारा निर्धारित कानून को अनदेखा करना और उसके विपरीत दृष्टिकोण रखना एक गलती होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमारे विचार से संविधान पीठ के फैसले को नजरअंदाज करने से इसकी मजबूती कमजोर होगी और सिर्फ इस आधार पर फैसले की समीक्षा की अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट अब 7 अगस्त को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करेगा।

कपिल सिब्बल फिर बने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

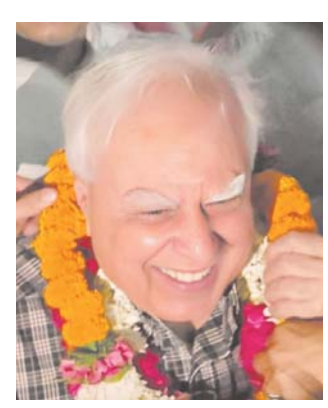

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद का चुनाव जीता। बता दे कि कपिल सिब्बल ने अपने ही करीबी प्रतिद्वंदी वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय को हराकर यह चुनाव जीता है। कपिल सिब्बल अब तक चार चुनाव जीत चुके है। इससे पहले 1995, 1997, 2001 में अध्यक्ष रह चुके हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के चौथी बार चुनाव जीतने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उनकी जीत को उदारवादी और लोकतांत्रिक ताकतों की जीत करार दिया और कहा- यह देश में बहुत जल्द होने जा रहे बड़े परिवर्तन का ट्रेलर है।

स्वाति मालीवाल मामले पर सियासी घमासान, भाजपा का प्रदर्शन; कोर्ट पहुंचीं आप सांसद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी का मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। भाजपा लगातार इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेरने में लगी है। सांसद स्वाति मालीवाल ने कुछ दिनों पहले आरोप लगाए थे कि उनके साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर सीएम के पीए ने मारपीट और बदसलूकी की थी।

इंदौर नगर निगम घोटाला: एक हजार करोड़ से अधिक के घोटाले की आशंका

पूर्व विधायक ने सीएम को लिखा पत्र

इंदौर। नगर निगम में फर्जी बिलों और फाइलों के जरिए हुए घोटाले का आकार जैसे-जैसे जाँच हो रही है उस तरह ही लगातार बढ़ रहा है। शुरुआती जांच में जहां 28 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ था, वहीं अब यह आंकड़ा 100 करोड़ रुपये के पार जा चुका है। बता दें कि, इस पूरे मामले को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा ने इस घोटाले के 1 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बड़े होने की आशंका व्यक्त की है।

नेमा ने अपने पत्र में कहा है कि यह घोटाला जितना सीधा दिख रहा है उतना नहीं है। पुराने हिसाब की जांच की जाए तो यह 1 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बड़ा निकलेगा। इसमें कई पुराने अधिकारी भी जांच के दायरे में आएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले की बारीकी से जांच करवाने की मांग की है।

क्या कर रहे हैं नगर निगम के अधिकारी?

नगर निगम के अधिकारी विशेष जांच दल द्वारा मांगी गए दस्तावेज जुटाने में लग गए हैं। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द दस्तावेज और जानकारी विशेष जांच दल को उपलब्ध करवा दें।

कब सामने आया था यह घोटाला?

यह घोटाला 16 अप्रैल को सामने आया था जब नगर निगम के ड्रेनेज विभाग के एक अधिकारी ने 5 फर्मों और उनके संचालकों पर एफआईआर दर्ज करवाई थी। शुरुआती जांच में पता चला था कि इन फर्मों ने 20 फर्जी बिल बनाकर 28 करोड़ रुपये का भुगतान हासिल करने की कोशिश की थी। जांच में यह भी सामने आया कि इन फर्मों को 3 करोड़ 20 लाख रुपये का भुगतान भी हो चुका था।

अब तक क्या हुआ?

जांच के दौरान पता चला कि फर्मों ने 107 करोड़ रुपये के फर्जी बिल पेश किए थे और उन्हें 81 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान भी हो चुका है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इस मामले की जांच एसआईटी कर रही है। एसआईटी ने नगर निगम के कई अधिकारियों से पूछताछ भी की है। इस घोटाले की वजह से नगर निगम पर बड़ा बवाल मचा हुआ है। विपक्ष ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संभावना है कि इस घोटाले में कई बड़े अधिकारी और नेता फंस सकते हैं। फ़िलहाल एसआईटी इस मामले की गहन जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डेंगू को रोकने विभागों के साथ आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक: निगम आयुक्त

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर आयोजित कार्यशाला में कई अस्पतालों के डॉक्टर हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने कहा कि डेंगू प्रसार को रोकने के लिए सभी विभागों के साथ-साथ आमजन की सहभागिता भी बेहद जरूरी है। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग संयुक्त रूप से इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और जन जागरूकता के साथ-साथ निगम द्वारा समय-समय पर जुर्माने की कार्यवाही भी की जाती है। नारायन ने यह विचार राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर डेंगू से बचाव एवं उपचार हेतु आयोजित विशेष कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये। विशेष कार्यशाला में वाहक जनित रोगों के प्रसार एवं उनके नियंत्रण की गतिविधियों पर जानकारी भी दी गई। कार्यशाला में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विषय विशेषज्ञों के अलावा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, गैस राहत चिकित्सालय, रेलवे चिकित्सालय, कस्तूरबा चिकित्सालय, बीमा अस्पताल, पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय, शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, हकीम सैयद जिया उल हसन यूनानी चिकित्सालय सहित स्वास्थ्य विभाग एवं निजी चिकित्सालयों के चिकित्सक शामिल हुए। इस अवसर पर डेंगू जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी किया गया। पोस्टर परिकल्पना एंबेड परियोजना के सहयोग से की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्मृति चिन्ह भेंटकर निगम आयुक्त व अन्य अतिथियों का सम्मान भी किया। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर गुरूवार को आईएसबीटी स्थित निगम कार्यालय के सभाकक्ष में नगर निगम भोपाल एवं स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा आयोजित विशेष कार्यशाला का शुभारंभ निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि मच्छरों के पनपने के स्त्रोत को नष्ट करना बेहद जरूरी है। डेंगू बीमारी एडीज मच्छर के काटने से होती है। इस मच्छर का लार्वा साफपानी में पनपता है, जिसे आसानी से पहचान कर नष्ट किया जा सकता है। कार्यशाला में अनेक चिकित्सा विशेषज्ञों ने डेंगू नियंत्रण एवं बचाव के संबंध में जानकारी दी। एम्स के डॉ. अनन्थम कृष्णन ने डेंगू के लक्षण, प्राथमिक उपचार, लार्वा सोर्स के बारे में बताया। एम्स के आयुर्वेद विभाग के डॉ. दानिश जावेद द्वारा बताया गया कि आयुर्वेद के माध्यम से डेंगू का उपचार किया जाता है, किंतु उपचार करवाने से बेहतर है कि डेंगू के लार्वा को पनपने से रोका जाए। भोपाल नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह ने कहा कि डेंगू के लक्षणों की समय पर पहचान करके तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। उपचार में विलंब घातक हो सकता है। जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे ने बताया कि मच्छरों की रोकथाम एवं मच्छरजनित बीमारियों के उपचार के संबंध में विस्तृत परामर्श प्राप्त करने के लिए कॉल सेंटर नंबर 0755-2660636 संचालित किया जा रहा है। डेंगू की नि:शुल्क जांच एम्स हॉस्पिटल, गांधी मेडिकल कॉलेज, जय प्रकाश जिला चिकित्सालय, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल और सिविल हॉस्पिटल बैरागढ़ में की जा रही है। राष्ट्रीय डेंगू दिवस प्रत्येक वर्ष 16 मई को मनाया जाता है और इसके माध्यम से मानसून के पूर्व वाहक जनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। राष्ट्रीय डेंगू दिवस 2016 से मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह दिवस ''कनेक्ट विथ कम्युनिटी, कंट्रोल डेंगू'' की थीम पर मनाया जा रहा है।

श्रमिक स्वास्थ्य शिविर में लोगों को दिलाई डेंगू नियंत्रण के लिए शपथ

भोपाल। कोई भी कार्य हो बिना सहभागिता के पूर्ण नही होता है, अत: जनभागीदारी प्रत्येक कार्य के लिए जरूरी है, जनभागीदारी से हम सब मिलकर भोपाल जिले से डेंगू का खात्मा जरूर करेंगे। गुरुवार को डेंगू दिवस के उपलक्ष्य में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से जिला मलेरिया कार्यालय एवं एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से श्रमिक स्वास्थ्य शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को डेंगू नियंत्रण के लिए शपथ दिलाई गई साथ ही बैनर पोस्टर के माध्यम से डेंगू से बचाव के बारे में बताया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में सभी जोन में मलेरिया टीम एवं एंबेड परियोजना के बीसीसीएफ द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया गया जिसमे इस वर्ष को थीम है कनेक्ट विथ कम्युनिटी, कंट्रोल डेंगू अर्थात समुदाय को जोड़कर डेंगू का नियंत्रण विषय पर लोगों को सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में सभी जगह टीम के द्वारा लोगों को जागरूक किया। स्वास्थ्य शिविर टीम, मलेरिया टीम एवं एंबेड टीम उपस्थित रही मच्छर जनित रोगों के उन्मूलन के लिए वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है,16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मना रहे है, इस वर्ष भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस की मुख्य थीम है अर्थात समुदाय के साथ जुड़कर डेंगू का नियंत्रण करे। जनभागीदारी किसी भी कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाने में अपना अहम भूमिका निभाती है अत: हम सब मिलकर भोपाल जिले को डेंगू मुक्त बनाएंगे। इसी क्रम में आप सभी से अपील है कि घर के आस पास पानी जमा नही होने दे, डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, यह मच्छर सात दिन में अंडा देता है अत: सात दिवस के अंदर पानी की निकासी कराएं, पानी ढककर रखें। बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर अपनी जांच अवश्य कराए एवं चिकित्सक के अनुसार निर्धारित दवा का सेवन नियमित अवधि तक करे। डेंगू का मच्छर आमतौर पर दिन में काटता है अत: दिन में मच्छर से बचाव के लिए उपलब्ध साधनों का प्रयोग जरूर करे।

स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता शिविर

भोपाल। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर 17 मई को जांच, परामर्श एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय सहित 140 से अधिक स्थानों पर विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में उच्च रक्तचाप के लक्षणों की पहचान, बचाव एवं उपचार के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई एवं हीमोग्लोबिन की जांच भी की जाएगी।

नेत्र जांच शिविर का आयोजन

भोपाल। इंटास फाउंडेशन द्वारा संचालित अपना घर ट्रांजिट होम भोपाल में आई चेकउप कैंप का आयोजन किया गया, आई चेकउप कैंप का आयोजन आरम्भ और साइटसेवर संस्था द्वारा किया गया। साइटसेवर संस्था की तरफ से श्री दिनेश कुशवाह और उनकी टीम द्वारा ट्रांजिट होम के सभी कैंसर मरीज और उनके केयरटेकर की आँखों की जाँच की गई. आई चेकउप कैंप में 35 लोगो की आँखों की जाँच की गई जिसमे 13 लोगो में द्रष्टि दोष पाया गया जिनको चश्मे की जरुरत है, जो की आरम्भ संस्था द्वारा उन सभी की फ्री नजर का चस्मा प्रदाय किया जायेगा।

सेन समाज के 75 मेधावी छात्र-छात्राओं और वरिष्ठजनों का किया सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ऑल इंडिया सेन महासंघ जिला इकाई के तत्वाधान में प्रभु नगर कम्युनिटी हॉल में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ जनों और डमरू टीम राधा कृष्ण सेन समाज मंदिर का मुख्य अतिथि नंदकिशोर वर्मा अध्यक्ष केश शिल्पी बोर्ड, गिरधारी लाल सेन राष्ट्रीय अध्यक्ष, बृज किशोर वर्मा प्रांतीय अध्यक्ष, राकेश कुकरेजा समाजसेवी पार्षद सरोज आसेरी और कार्यक्रम संयोजक सुनील सराठे ने शाल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर जीवन में शिक्षा के महत्व और अनुभवों को बताया इससे पूर्व सेन महाराज के चित्र पर अतिथियों ने माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर समाज के गौरव भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धा पूर्वक याद किया। इस अवसर पर महेश मकवाना, भगवान दास ढालिया, पवन सेन, कमलेश सेन, संतोष श्रीवास गुरुजी, राजीव सराठे, नरेश सेन, गुलाब सेन आदि उपस्थित रहे।

निगम वाहनों को कार्य के आधार पर ही अब मिलेगा डीजल

डीजल टैंक परिसर के दो कक्षों पर अवैध कब्जा एवं गतिविधियां करने वाले एचएफए के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की सेवाए समाप्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने निगम डीजल टैंक का औचक निरीक्षण कर निगम वाहनों में क्यू आर कोड फ्यूल ट्रेकिंग सिस्टम से प्रदाय किये जा रहे डीजल, लागबुक, इण्डेन, डीजल प्रदाय का पंजी में संधारित रिकार्ड एवं कम्प्यूटराईज रिकार्ड का अवलोकन किया एवं प्रक्रिया देखी। निगम आयुक्त ने निगम वाहनों को कार्य की उपयोगिता एवं परिचालन के आधार पर ही डीजल प्रदाय करने और डीजल की खपत कम करने तथा मैनिट संस्था से निगम वाहनों का एवरेज निर्धारित कराने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सीएनजी पंप का भी निरीक्षण कर निगम वाहनों को प्रदाय की जा रही सीएनजी तथा अन्य वाहनों को प्रदाय की जा रही सीएनजी की जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने डीजल टैंक परिसर में एचएफए के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी द्वारा दो कक्षों में अवैध रूप से कब्जा करने और गतिविधियों को संचालित करने पर उक्त कर्मचारी की सेवाए तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश दिये साथ ही गेट के पास बने कक्ष एवं एक अन्य कक्ष को तत्काल खाली कराकर अन्य के उपयोग हेतु देने के निर्देश दिये।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने गुरूवार को निगम डीजल टैंक का औचक निरीक्षण किया और डीजल टैंक से निगम वाहनों में प्रदाय किये जा रहे डीजल, लागबुक, इण्डेन, डीजल प्रदाय का पंजी में संधारित रिकार्ड एवं कम्प्यूटराईज रिकार्ड तथा विभिन्न प्रकार की इण्डेन बुक का अवलोकन किया और संबंधित रिकार्ड का परीक्षण भी किया तथा प्रक्रिया भी देखी। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निगम वाहनों में डीजल प्रदाय के लिए प्रभावशील किए गए क्यू आर कोड फ्यूल टेऊकिंग सिस्टम के संबंध में जानकारी प्राप्त की और क्यू आर कोड के माध्यम से प्रदाय किए गए डीजल की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने डीजल टैंक पर खड़े फायर फायटर एमपी 04 जीबी 5698 में अपने समक्ष डीजल भरवाकर और मशीन से पर्ची निकलवाकर डीजल प्रदाय की प्रक्रिया देखी तथा संबंधित वाहन की लागबुक का भी अवलोकन किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने वाहनों को प्रदाय किये जा रहे डीजल का पंजी में संधारित रिकार्ड तथा कम्प्यूटर में संधारित किये जा रहे रिकार्ड का भी अवलोकन किया एवं जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने कर्मचारियों द्वारा व्यवहारित किये जा रहे कार्य एवं वाहनों की विभिन्न प्रकार कि इण्डेन बुक तथा लागबुक का भी अवलोकन किया और जानकारी प्राप्त की।

निगम आयुक्त श्री नारायन ने निगम वाहनों को कार्य की उपयोगिता एवं परिचालन के आधार पर ही डीजल प्रदाय करने और निरंतर मानीटरिंग कर खपत कम करने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त ने मैनिट संस्था से निगम वाहनों का एवरेज निर्धारित कराने के भी निर्देश दिये। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सीएनजी पंप का भी निरीक्षण कर निगम वाहनों को प्रदाय की जा रही सीएनजी तथा अन्य वाहनों को प्रदाय की जा रही सीएनजी की जानकारी प्राप्त की।

डीजल टैंक परिसर के निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री नारायन ने डीजल टैंक परिसर में एचएफए के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी श्री नवल गौरे द्वारा दो कक्षों में अवैध रूप से कब्जा करने और गतिविधियों को संचालित करने पर सख्त नाराजगी व्यक्त की और संबंधित कर्मचारी को स्थल पर तलब किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने एच.एफए के दैनिक वेतन कर्मचारी श्री नवल गौरे का वेतन रोकने एवं सेवाए तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के अधीक्षण यंत्री एच.एफए को निर्देश दिये। निगम आयुक्त ने डीजल टैंक परिसर में गेट के पास बने कक्ष एवं एक अन्य कक्ष को तत्काल खाली कराकर अन्य कार्यालय के उपयोग हेतु देने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त श्री नारायन ने डीजल टैंक परिसर की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने और कचरा आदि तुरंत उठवाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष सहित कई भाजपा नेताओं ने अर्पित की माधवी राजे सिंधिया को श्रद्धांजलि

भगवान महाकाल माधवी राजे सिंधिया को श्रीचरणों में स्थान दें: डॉ. मोहन यादव

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने गुरूवार को ग्वालियर पहुंचकर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माताजी श्रद्धेय माधवी राजे सिंधिया की पार्थिव देह के दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं अंत्येष्टि में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धेय माधवी राजे सिंधिया को मुखाग्नि उनके सुपुत्र केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रद्धेय माधवी राजे सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मैंने राजमाता माधवी राजे सिंधिया के श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मैं अपनी ओर से और राज्य शासन की ओर से शोक व्यक्त करता हूं। भगवान महाकाल से प्रार्थना है कि स्व. माधवी राजे सिंधिया को अपने चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मैं स्नेहमयी राजमाता जी के चरणों में अपने श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हूं। श्रद्धेय माधवी राजे सिंधिया का जाना पूरे मध्यप्रदेश के लिए अपूर्णीय क्षति है। यह हम सब के लिए दुख की घड़ी है। इस घड़ी में हम सब और भारतीय जनता पार्टी सिंधिया परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि स्व. राजमाता जी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिवार पर जो वज्रपात हुआ है उसको सहन करने की शक्ति प्रदान करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने सिंधिया परिवार को ढांढस बंधाया।

श्रद्धेय माधवी राजे सिंधिया जी की अंतिम यात्रा जयविलास पैलेस से शुरू होकर जीवाजी क्लब, अचलेश्वर होते हुए छतरी पहुंची। अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी सहित वरिष्ठ नेतागण शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया, डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, प्रदेश शासन के मंत्री तुलसी सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, राकेश शुक्ला, नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांसद विवेक शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, संजय पाठक, ध्यानेन्द्र सिंह, प्रभुराम चौधरी, अनूप मिश्रा, ओपीएस भदौरिया, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, श्रीमती इमरती देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, विधायक शैलेन्द्र जैन, रामनिवास रावत, मोहन सिंह राठौर, प्रीतम लोधी, रमेश खटीक सहित पार्टी पदाधिकारी, जिला अध्यक्षगण, जनप्रतिनिधिगणों ने भी स्व. राजमाता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

माधवी राजे सिंधिया का जाना प्रदेश के लिए अपूर्णीय क्षतिः विष्णुदत्त शर्मा

भारत में स्त्री सम्मान का महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु चर्चा सत्र- दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग

भोपाल। विश्व हिंदू परिषद की महिला शाखा दुर्गावाहिनी के शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस पर दुर्गावाहिनी प्रांत संयोजिका सत्यकीर्ति राने द्वारा बताया गया कि पेड़, पानी, प्लास्टिक तीन मुख्य विषयों पर फोकस करके कैसे छोटे छोटे प्रयास पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं इस विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचारक प्रमुख अशोक पोरवाल जी ने युवतियों से चर्चा करके घर में वाटर हार्वेस्टिंग, दृष्थ ब्रिक्स, किचन गार्डन, छत पर बागवानी, सीड बाल आदि के माध्यम से पेड़ उगाने, पानी बचाने, प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से बचाने और प्लास्टिक री यूज करने हेतु प्रेरित किया वर्ग की प्रशिक्षणार्थी बहिनों ने भी चर्चा में बढ़चढ़कर अपने सुझाव साझा किए और संकल्प लिया।

शिक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य संस्कार से के समायोजन से प्राप्त होगा स्त्री सम्मान - डा. निवेदिता चतुर्वेदी

बौद्धिक सत्र में बाल आयोग की सदस्य डॉ. निवेदित चतुर्वेदी ने तरुणिओं को भारत में स्त्री सम्मान का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में महिलाओं को सर्वप्रथम पूजनीय माना गया है, समाज सुधारकों और सफल महिलाओं के पीछे हमेशा कोई न कोई पुरुष का सहयोग रहा है भारत में स्त्री सम्मान का अर्थ महिलाओं की पुरुषों से तुलना मात्र नहीं है । सत्र का संचालन अदिति तिवारी ने किया ज्योति वर्मा दीदी ने मनचासीन अतिथियों का स्वागत किया। प्रांत से आई विभाग व जिले की सभी प्रतिनिधि कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

निःशुल्क ग्रीष्म कालीन गीत संगीत की कार्यशाला आओ नांचे, गाएं, बजाएं, आप सीखें हम सिखाएं का आयोजन

भोपाल। चित्रगुप्त समाज भोपाल के सानिध्य में एकरंग सोशियो कल्चरल सोसाइटी भोपाल द्वारा एक माह की निःशुल्क ग्रीष्म कालीन गीत संगीत की कार्यशाला आओ नाचें, गाएं, बजाएं-आप सीखें हम सिखाएं 11.05.2024- 11.06.2024 का आयोजन चित्रांश भवन, चित्रगुप्त मंदिर परिसर, जवाहर चौक टी टी नगर भोपाल में किया जा रहा है। इच्छुक प्रतिभागी प्रतिदिन सायंकाल 5 बजे से 7 बजे तक कार्यशाला में अपनी मनपसंद विधा का प्रशिक्षण निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। कार्यशाला में विशेषज्ञ एक्टिंग, सिंगिंग, डांसिंग, वाद्य यंत्र बजाने एवं अन्य विधाओं में प्रतिभागियों को पारंगत करेंगे। इच्छुक प्रतिभागीयों के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। बच्चे, बड़े और बुजुर्ग कोई भी इसमें भाग ले सकते हैं।

मौसमः आज आधे प्रदेश में तेज गर्मी, बाकी में आंधी के साथ बारिश का अनुमान

भोपाल। आज आधे प्रदेश में तेज गर्मी है, बाकी में आंधी के साथ बारिश का अनुमान है। असल में प्रदेश में एक सप्ताह से एक्टिव आंधी, बारिश और ओले गिरने का सिस्टम कमजोर हो रहा है। गुरुवार को कुछ जिलों में ही मौसम बदला रहा। बाकी में तेज गर्मी रही। ग्वालियर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां तापमान 43.7 डिग्री दर्ज किया गया। छतरपुर के नौगांव में तापमान 43 डिग्री पहुंच गया, जबकि 11 शहरों में 42 डिग्री के पार रहा। प्रदेश के उत्तरी हिस्से में गर्म हवाओं का असर देखने को मिला। शुक्रवार को प्रदेश के आधे हिस्से में तेज गर्मी रहेगी, जबकि आधे में बारिश और आंधी का असर रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार- आज यानी 17 मई को उत्तर भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 2-3 दिन बाद यानी, 20 मई से प्रदेश के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकता है। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी भी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी है। शुक्रवार को भी इसका असर देखने को मिलेगा, इसलिए छिंदवाड़ा, खंडवा समेत 12 जिलों में हल्की बारिश और आंधी चलेगी। वहीं, ग्वालियर-चंबल, भोपाल, इंदौर संभाग में कहीं-कहीं तेज गर्मी का असर भी रहेगा। शनिवार को सिस्टम गुजर जाएगा। इससे ग्वालियर-चंबल के लिए हीट वेव, यानी गर्म हवाओं का अलर्ट जारी किया है।

कहीं तेज गर्मी, कहीं बदला रहा मौसम

इससे पहले, गुरुवार को कहीं तेज गर्मी रही तो कहीं मौसम बदला रहा। बैतूल, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, मंडला, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, इंदौर, धार, बड़वानी, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, नरसिंहपुर, बालाघाट और डिंडोरी जिलों में बादल रहे। कुछ जगहों पर बौछारें भी गिरीं। दूसरी ओर, ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां टेम्प्रेचर 43.7 डिग्री तक पहुंच गया। यहां तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिली। छतरपुर जिले के नौगांव में 43 डिग्री रहा। इसी तरह रतलाम, सतना, सीधी, शिवपुरी, खजुराहो, दमोह, टीकमगढ़, खंडवा और गुना में पारा 42 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।

बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे गर्म रहा। भोपाल में 40.7 डिग्री, इंदौर में 39.8 डिग्री, जबलपुर में 39.7 डिग्री और उज्जैन में पारा 41.4 डिग्री दर्ज किया गया।

हलकी बारिश और आंधी

17 मई को रायसेन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और अनूपपुर में हल्की बारिश और आंधी का मौसम रहेगा। 18 मई को ग्वालियर, मुरैना, भिंड और दतिया में हीट वेव चल सकती है। 19 मई को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर और सागर में हीट वेव चलने का अलर्ट है।

विश्व दूरसंचार एवं सामाजिक सूचना दिवस

भोपाल। हर साल 17 मई को विश्व दूरसंचार एवं सामाजिक सूचना दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पहले इस दिन को केवल विश्व दूरसंचार दिवस के तौर पर ही मनाया जाता था, लेकिन 2006 से इसमें सामाजिक सूचना दिवस के तौर पर भी जाने जाना लगा। नवंबर 2005 में यूनाइटेड नेशन की जनरल असेंबली ने 17 मई को विश्व दूरसंचार और सामाजिक सूचना दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया इसके बाद से हर साल 17 मई को सूचना और संचार के तौर पर मनाया जा रहा है। जैसा कि आप जानते हैं कि विगत 2 बर्ष पूर्व पूरी दुनिया कोरोनावायरस की महामारी की वजह से अपने घरों में रहने के लिए मजबूर थी। लोग घरों में रहकर भी एक-दूसरे से कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की वजह से ही जुड़े रहे। कम्युनिकेशन का हमारी जिंदगी में कितना महत्व है, उस समय में संपूर्ण विश्व में लगे लॉकडाउन में सही तौर पर पता चला है। लोग घरों में रहकर भी दुनिया से कनेक्टेड रहे। ऐसा केवल दूरसंचार और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के सतत विकास की वजह से ही संभव हो सका है।

साभार
राजेश नारायण श्रीवास्तव
(एड.)

अवैध अतिक्रमणकारी होटल मालिक नगर निगम पर पड़ रहा भारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने गत दिवस भारत टॉकीज ओवर ब्रिज की सीढ़ियों के नीचे स्थित बाबा जानी होटल का अवैध अतिक्रमण हटाया था. होटल मालिक उमर खान ने ब्रिज की सीढ़ियों के नीचे की रेलिंग पर पक्का लोहे का टीन शेड बनाकर लग भग 15वर्ग फिट में अवैध अतिक्रमण कर रखा था । इस होटल मालिक द्वारा मुख्य मार्ग पर भी टेबल कुर्सी जमा कर अवैध अतिक्रमण किया गया है। आम जनमानस एवं अन्य दुकानदारों ने इस संबंध में नगर निगम भोपाल को शिकायत की थी । शिकायत को सही पाया गया तथा बाबा जानी होटल के अवैध टीन शेड को नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण दस्ते ने गुरुवार दोपहर गैस कटर से काटकर हटा दिया। नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण दस्ते द्वारा काटे गए अवैध टीन शेड को जब्त नहीं किया गया। होटल मालिक उमर ने नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण दस्ते को धता बताते हुए गुरुवार-शुक्रवार मध्य रात्रि को फिर से टीन शेड को पुल की सीढ़ियों की रेलिंग पर वेल्डिंग कर पुनः स्थापित कर लिया। इस अतिक्रमणकारी होटल मालिक के हौसले इतने बुलंद हैं कि

वह नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण दस्ते पर भारी पड़ रहा । फिलहाल होटल मालिक उमर ने भोपाल नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते के आदेशों की अवहेलना की है। उसने अवैध टीन शेड का पुनः निर्माण करके एक बार फिर भोपाल नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते को बोना साबित कर दिया है। अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे भोपाल नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते के द्वारा हटाये गये अतिक्रमण को फिर से स्थापित कर रहे हैं। क्या वास्तव में अतिक्रमण कारी होटल मालिक उमेर नगर निगम भोपाल के अतिक्रमण विरोधी दस्ते पर भारी पड़ रहा है।

प्राकृतिक चिकित्सा से व्यक्ति आजीवन स्वस्थ रहता है : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें हैं। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि दुनिया भर में आम लोगों में उच्च रक्तचाप यानी साइलेंट किलर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस अथवा विश्व हाइपरटेंशन दिवस मनाया जा रहा है। हाइपरटेंशन किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता हैं। योग गुरु अग्रवाल ने बताया उच्च रक्तचाप क्या है, इसे कैसे नियंत्रित किया जाता है? उच्च रक्तचाप और निम्न रक्तचाप, दो ऐसी दशायें हैं जो मन के विपरीत स्तरों के परिणाम हैं। इनका प्रभाव मस्तिष्क और नाड़ी मण्डल पर दिखाई पड़ता है। वातावरण और मानसिक तनाव जब सहनशक्ति की सीमा से बाहर हो जाते हैं, तब वे अति दाब या उच्च रक्तचाप पैदा करते हैं। दूसरे स्तर पर जब तनाव स्वीकृति की सीमा से कम होता है या दबा दिया जाता है, तब निम्न दाब या निम्न रक्तचाप होता है। अति तनाव की स्थिति का प्रभाव शरीर के कई हिस्सों में होता है। चिकित्सा शास्त्रीय पर्यवेक्षण के अनुसार इससे रक्तचाप बढ़ जाता है और पेप्टिक अल्सर भी हो सकता है अथवा कई दूसरे प्रकार के संकेत और लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह अति तनाव की स्थिति कुछ समय तक बनी रहे, तो अंततोगत्वा नाड़ी मण्डल तनाव को बर्दाश्त नहीं कर पाता और उसमें गिरावट आ जाती है। ऐसा विशेषकर तब होता है जब मन के तनावों को शरीर पर प्रकट न होने दिया जाये।

स्वच्छता रख कर न केवल डेंगू जैसी बीमारी से खुद को बचा सकेंगे बल्कि एक स्वस्थ वातावरण भी तैयार कर सकेंगे: डॉ. अजय सिंह

एम्स में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया, जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम है डेंगू रोकथाम - सुरक्षित कल के लिए हमारी जिम्मेदारी क्ष। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है, इसलिए हमें ऐसी बातों को ध्यान में रखना होगा जिससे मच्छर उत्पन्न ना हो। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने आसपास साफ सफाई रखे। गंदगी ना होने दें , पानी को जमा ना होने दें। स्वच्छता को अपना कर हम न केवल डेंगू जैसी बीमारी से खुद को बचा सकेंगे बल्कि एक स्वस्थ वातावरण भी तैयार कर सकेंगे। साथ ही भावी पीढ़ी को एक सुरक्षित कल दे सकेंगे।

इसी सिलसिले में भोपाल के नगर पालिक निगम सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें एम्स भोपाल के आयुष विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दानिश जावेद ने वाहक जनित रोगों के प्रसार और उनके नियंत्रण में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर लोगों को जागरूक किया। डॉ दानिश ने आयुर्वेद में वर्णित विभिन्न जड़ी बूटियों द्वारा रक्त में कम होती प्लेटलेट्स को नियंत्रित करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस बीमारी पर कारगर तरीके से काबू पाने के लिए आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दोनों प्रकार कि दवाओं का संयुक्त रूप से भी सेवन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त एम्स भोपाल के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के डॉक्टर अनंतम कृष्णन ने डेंगू के लक्षण, उसकी गंभीरता और उससे बचाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। इस कार्यक्रम में भोपाल नगर निगम कार्यालय के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त विभिन्न अस्पतालों के लगभग 70 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है, जो एडीज प्रजाति के मच्छरों के काटने से फैलती है। डेंगू किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है इसमें प्लेटलेट्स लगातार कम होते जाते हैं। डेंगू के प्रमुख लक्षणों में बुखार, सिर दर्द, शरीर में दर्द, उल्टी जैसी समस्याएं होती है। इस तरह के लक्षण होने पर तुरंत ही नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें।

सम्पादकीय

और हम बीमारी बुला रहे हैं...!

सिंगापुर और हांगकांग के बाद अब नेपाल ने भी भारत की मसाला बनाने वाली सबसे बड़ी दो कंपनियों को झटका दिया है। नेपाल ने एमडीएच और एवरेस्ट मसाला कंपनियों के उत्पादों के आयात और बिक्री पर रोक लगा दी है। मतलब कि वहां पहुंच चुका मसालों का कंटेनर भी बाजार में बिक्री के लिए नहीं पहुंच पाएगा। साथ ही इन कंपनियों के मसालों की जो खेप नेपाली स्टोर के रैक पर होगी, उसे भी हटानी होगी।

आज आए समाचार के अनुसार, नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने एमडीएच और एवरेस्ट जैसी मसाला कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड होने की आशंका के कारण यह फैसला लिया है। नेपाल ने खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने इन दोनों कंपनियों के मसालों में संदिग्ध केमिकल व एथिलीन ऑक्साइड की जांच भी शुरू की है।

नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महाराजन ने जानकारी दी है कि एमडीएच और एवरेस्ट कंपनी के मसालों को नेपाल में आयात में फिलहाल 7 दिनों के लिए बैन किया गया है। इन दोनों कंपनियों के मसालों की बिक्री पर भी बैन लगा दिया गया है। इन दोनों कंपनी के मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि तय मानक से ज्यादा एथिलीन ऑक्साइड होने पर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

कुछ समय पहले ही सिंगापुर और हांगकांग ने भी इन दो मसाला कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट पर इस तरह की कारवाई की है। हांगकांग के खाद्य नियामक सेंटर फार फूड सेफ्टी ने भी कहा था कि इन दोनों कंपनियों के प्रोडक्ट में एथिलीन ऑक्साइड है, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ता है। हांगकांग ने एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला उत्पादों पर बैन कर दिया था।

इस बीच न्यूज एजेंसी रायटर ने खबर दी है कि ब्रिटेन के फूड वॉचडाग भारत से आयातित सभी तरह के मसालों की स्क्रूटिनी बढ़ा दी है। बुधवार को यूनाइटेड किंगडम के फूड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ने इस बारे में आदेश जारी किया। एजेंसी ने बताया कि अब भारत से जो भी मसाले ब्रिटेन पहुंचेगे, उनमें पेस्टिसाइड रेसिड्यू की जांच करने के लिए विशेष उपाय किये जाएंगे।

यह तो रही खबर की बात। हम विश्व स्तर पर या दूसरे देशों में हमारे मामलों को लेकर जो सर्वे या कोई शोध होता है, उसे नकारते हुए तत्काल हमारे विरुद्ध साजिश करार दे देते हैं। हमारी सरकार और सत्ता में बैठे लोगों की ये आदत में आ चुका है। पिछले ही दिनों कोविशील्ड का मामला सामने आया था, इसे लेकर खुद कंपनी ब्रिटेन की अदालत में स्वीकार करती है कि उससे हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है, लेकिन हमारे वैज्ञानिक और डाक्टर इसे नकार देते हैं। वे कहते हैं कि ऐसा कुछ नहीं है।

समझने वाली बात यह है कि हम जानबूझ कर खतरा मोल ले रहे हैं। पर ये समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा क्यों? हमारे देश में बने मसालों में यदि विदेशी जांच में कीटनाशक पाए जा रहे हैं, तो क्या हमारे देश में जांच नहीं हो सकती? हो सकती है तो हम सही निष्कर्ष क्यों सार्वजनिक नहीं करते? केवल मसालों में क्या, हमारे यहां तो हर दूसरी-तीसरी खाद्य सामग्री में कीटनाशक मिल जाते हैं, लेकिन हम खाते रहते हैं। या खाने को मजबूर हैं। क्योंकि हमारे पास शायद विकल्प नहीं है।

ऐसा क्यों हो रहा है? यह सवाल तो उठेगा ही। दुनिया भर के तमाम देशों में जो दवाएं प्रतिबंधित कर दी जाती हैं, भारत में वो चलन में रहती हैं। जो मसाले दूसरे देशों में प्रतिबंधित किए जा रहे हैं, हम उनकी जांच तक की मांग नहीं कर रहे हैं। न ही हमारी सरकार की तरफ से ऐसा कोई कदम उठाया जा रहा है। क्या इसमें भी विदेशी साजिश हो सकती है? क्या किसी को एमडीएच और एवरेस्ट से निजी दुश्मनी हो सकती है?

हमारे साथ समस्या यह है कि हम वास्तविकता को नकारने के आदतन हो गए हैं। यानि यदि कुछ गलत हो रहा है, तो हम उसे पूरी तरह नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं। यह कहते जाते हैं, हम अकेले क्या कर सकते हैं? हमारे विरोध करने से क्या होगा? वगैरह, वगैरह। लेकिन हम अपने स्वास्थ्य से क्यों समझौता कर रहे हैं, यह समझ नहीं आ रहा है।

भारत में कैंसर से लेकर अन्य तमाम बीमारियों के आंकड़े भयावह होते जा रहे हैं। टीबी के इतने अभियान चले, लेकिन आज भी लाखों लोग टीबी से मर रहे हैं। कैंसर तो भारत में शायद दुनिया में सबसे ज्यादा फैलने वाला रोग बन गया है। और हम कहीं मसाले में तो कहीं और किसी के माध्यम से कैंसर को खुला आमंत्रण दे रहे हैं। इन मसालों पर तो कीटनाशक की मौजूदगी ही पाई गई और अन्य देशों में प्रतिबंध लगता जा रहा है। लेकिन हम फिर भी इन्हें खाये जा रहे हैं। इन कंपनियों को बचाये जा रहे हैं। और वो कंपनियां हमें बीमारी दे रही हैं, मौत दे रही हैं, बदले में हमसे करोड़ों रुपए कमा भी रही हैं।

विशेष आलेखः जानकी नवमी 17 मई

उनके मंदिर बनने की तो बहुत खुशी है पर मेरा जीर्णोद्धार कब होगा?

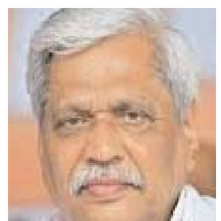

प्रभात झा

भारत में सामान्य तौर पर किसी से भी पूछा जाए कि भगवान श्री राम लला का जन्म कहां हुआ, तो सभी तपाक से उत्तर देंगे अयोध्याद्य हर भारतीय के जुवां पर यह नाम हैद्य इसी तरह यदि आप पूछें की मां जानकी का जन्म कहां हुआ तो लोग उत्तर देते हैं %जनकपुर%द्य जो सरासर गलत हैद्य जनकपुर तो मैं जानकी/सीता जी का ननिहाल और विवाह स्थल हैद्य सत्य यह है कि मां जानकी जहां प्रकट हुई थीं उस स्थान का नाम पुनौराधाम हैद्य यह स्थान बिहार के सीतामढ़ी जिले में सीतामढ़ी शहर से साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित हैद्य यह वही स्थान है, जहां एक बार अकाल पड़ने पर राजा जनकजी को कहा गया कि आप यदि स्वयं खेत में हल जोतेंगे तो अकाल समाप्त हो जायेगी और वरुण देवता प्रसन्न हो जाएंगेद्य उस समय जनकपुर भारत का हिस्सा हुआ करता था, पर आज जनकपुर नेपाल में हैद्य पर मां सीताजी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम आज भी भारत में हैद्य इसके शास्त्रों में प्रमाण भी उपलब्ध हैं।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला खंड में वर्णित है कि हम संसार में प्राणियों की सारी मनोकामनाएं पूरी करने वाली विशेष फलदायक यज्ञ स्थली पुण्योर्वरा (पुनौराधाम) की यात्रा और दर्शन विशेषकर चैत्र श्री रामनवमी और वैशाख श्री जानकी नवमी में मोक्ष की अभिलाषी को करने चाहिए, क्योंकि दोनों तिथि क्रमशः श्री राम जी का जन्मदिवस और मां सीता जी का प्राकट्य दिवस हैद्य वर्णन है की एक बार सम्पूर्ण मिथिला में घोर दुर्भिक्ष पड़ गयाद्य अनावृष्टि से मिथिलावासियों में त्राहि-त्राहि मच गईद्य लोग अन्न और जल के अभाव में दम तोड़ने लगेद्य सब जीव-जंतु व्याकुल हो उठेद्य उस समय मिथिला महाराजा निमि के वंशज राजा जनक राज कर रहे थेद्य %यज्ञ से वर्षा होती है और वर्षा के प्रभाव से अन्न उत्पन्न होता है%द्य इससे प्रभावित होकर राजर्षि जनक ने अपने राज्य के विद्वानों, ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की आपातकालीन सभा बुलाकर भीषण दुर्भिक्ष की विभीषिका से त्राण पाने के उपाय पर विचार-विमर्श कियाद्य सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि राजा जनक को हलेष्ठी यज्ञ करना चाहिएद्य इसके निमित्त शोध के आधार पर पुण्यारण्य (पुण्डरीक आश्रम) को उपयुक्त स्थान के रूप में चयन किया गया।

वृहद विष्णुपुराण के मिथिला माहात्म्य के अष्टम अध्याय में वर्णित है कि राजर्षि जनक का जो प्राचीन दुर्ग था , उसके पारतः पंचकोशी चार विशाल द्वार थेद्य वे इन दिनों भी वर्तमान जनकपुरधाम से क्रमशः दस मील उत्तर की ओर धनुषा, दस मील दक्षिण की ओर गिरजा स्थान, दस मील पूरब की ओर हरिहरालय महादेव और दस मील पश्चिम जलेश्वरनाथ के नाम से लोक विदित हैद्य यह स्पष्ट है कि महाराजा जनक इसी जलेश्वरनाथ(शिव जी का जलशयन स्थल) से पश्चिम भाग में शास्त्रवत अठासी ऋषियों एवं रानी सुनैना सहित तीन योजना के बाद हलेष्ठी यज्ञार्थ पुण्डरीक आश्रम पुण्यारण्य पधारे थे, जहां हलेष्ठी यज्ञ की सिद्धि प्राप्त हुई और मां जानकी का प्राकट्य हुआ।

पद्मपुराण में वर्णन है कि जानकी नाम तो जनक जी के वंशानुगत जनक शब्द से रखा गया, लेकिन शास्त्रानुसार उनका नाम %सीता% होना अपेक्षित है, क्योंकि सीत(फार का नुकीला अग्र भाग) और सीता(सिराउर) के संयोग से उत्पत्ति होने के कारण सीता नाम की पुष्टि होती हैद्य जन्म के बाद लौकिक एवं वैदिक रीतियों से वर्षा से बचाने के लिए मड़ई (मढ़ी) में मां सीता जी रखी गईं तथा उस स्थान का नाम सीतामढ़ी हुआ।

पुण्डरीक क्षेत्र अर्थात पुनौराधाम,जहां मां जानकी जी का प्राकट्य हुआ, वहां कई पुरातन स्मृतियां हैं, जिनका वर्णन और वहां की भाषाएं का उल्लेख रामायण, पुराणों, संहिताओं एवं इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में वर्णित है, सनातन में अविस्मरणीय-अमिट हैद्य पुनौराधाम में प्रवेश मात्रा से प्राणी पवित्र हो जाता हैद्य मां जानकी कुण्ड में जलस्पर्श एवं स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैद्य मां जानकी जन्म कुण्ड को पुण्यनिधि कहा गया हैद्य शास्त्रों-पुराणों में वर्णन है कि यहां तीर्थाटन करने से सभी पापों, संकटों से मुक्ति पाकर श्रद्धालु पुण्यलोक की प्राप्ति कर सकते हैं।

जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने इसका शास्त्रों में प्रमाण देते हुए वर्णन किया है कि- सीताराम गुणग्राम पुण्यारण्य विहारिणी, वंदे विशुद्ध विज्ञानों कवीश्वर कपीश्वर(बालकाण्ड संख्या-3)द्य इसका अर्थ है कि श्री सीताराम जी के गुण समूह रूपी पवित्रता में विहार करने वाली पुण्यारण्य अर्थात पुनौराधाम विशुद्ध विज्ञान संपन्न कवीश्वर श्री वाल्मीकि जी और कपीश्वर श्री हनुमान जी की मैं वंदना करता हूं।

जगतगुरु रामभद्राचार्य जी गत 12 वर्षों से लगातार पुनौराधाम में जानकी नवमी आने के नौ दिन पूर्व से जगत जननी मां जानकी की जन्म स्थली पर नौ दिन कथा कर जानकी नवमी सम्पन्न कर समाज को सदैव संदेश देते हैं कि पुनौराधाम ही मां जानकी का प्राकट्यस्थल हैद्य मैं और जगतगुरु रामभद्राचार्य जी बिहार के तत्कालीन राज्यपाल के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को इस आशय की जानकारी भी दीद्य आजादी के बाद पहली बार कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्तित्व तत्कालीन राज्यपाल और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी पुनौराधाम पहुंचेद्य उन्होंने हजारों की सभा में कहा कि पुनौराधाम के बारे में तो मुझे पता ही नहीं था कि यह मां जानकी जी का प्राकट्यस्थल हैद्य यह तो मैं प्रभात झा जी जो हमारे मिथिला के ही गौरव हैं, ने जब बताया तो जानकारी मिलीद्य जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने कहा कि आप जानकी नवमी पर आईये तो मैं वहां पहुंचा। नीतीश जी ने कहा कि बिहार सरकार पुनौराधाम स्थित मां जानकी के प्राकट्यस्थल का धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विस्तार करने की दिशा में अनेक कदम भविष्य में उठाये जाएंगे।

अयोध्या में भगवान रामलला का भव्य और दिव्य मंदिर वर्षों के संघर्ष के बाद न्यायालय के फैसले से बनकर तैयार हो गयाद्य अभी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का प्रथम चरण बना है जिसकी जिसकी प्राणप्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को स्वयं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा किया गयाद्य कहा जाता है कि %बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं%द्य पूरे विश्व से अयोध्या में बने भगवान रामलला के भव्य दिव्य मंदिर के दर्शनार्थ आज लाखों लोग पधार रहे हैंद्य अयोध्या का विकास इतना हो रहा है कि आने वाले दिनों में अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बन जाएगाद्य ऐसा होना हमारी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएगा भी।

पर दूसरी ओर, मां जानकी(सीताजी) का प्राकट्यस्थल पर न चर्च है , न मस्जिद है, न किसी तरह का जमीनी विवाद है, और तो और वहां मां जानकी का एक छोटा मंदिर भी बना हैद्य वहां वह स्थल भी मौजूद है जहां राजा जनक ने हल जाता था और मां सीता हल जोतते समय एक मटके से हल के अगले हिस्से जिसे %सीत% कहा जाता है, के लगने से प्रकट हुईंद्य 'सीत' जो हल का अगला हिस्सा होता है उसके लगने से ही मां सीता प्रकट हुईं। 'सीत' के कारण ही उनका नाम 'सीता' पड़ा । पुनौराधाम से राजा जनक ने उन्हेंएक 'मढ़ी' में लेकर गए, आज जिसे 'सीतामढ़ी' कहा जाता है। उसके पीछे की कहानी जानकार लोग यही कहते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी जब भी अयोध्या में गए थे जय श्री राम नहीं बोले वह हमेशा 'जय सियाराम' ही बोले। अब सवाल उठता है की मां जानकी सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार कब होगा। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने प्रण लिया हुआ है कि जब तक मां सीता जी के प्रकट स्थल का जीर्णोद्धार और यह भारत का श्रेष्ठ धाम नहीं बनेगा मेरी कथा सदैव जानकी नवमी पर यहां होती रहेगी। मैं स्वयं राज्यसभा में भी पुनौरा धाम का मामला और वहां मां जानकी के प्राकट्य स्थल के संपूर्ण विकास का मामला उठाया था सदन में सभी दलों ने इसका समर्थन भी किया था। बहुत मुश्किल से भारत में लोगों को अब यह जानकारी हुई है कि पुनौराधाम जो सीतामढ़ी से मात्र साढ़े तीन किलोमीटर दूर है, मां सीता का प्राकट्यस्थल है। नहीं तो लोगों के मन में तो अभी भी जनकपुर का नाम ही बैठा था।

जनकपुर इसलिए प्रसिद्ध हुआ कि वहां मां जानकी ने भगवान शंकर के धनुष को सहज उठाकर रख दिया था। यह देख राजा दशरथ आश्चर्यचकित हो गए इसके बाद उन्होंने घोषणा की थी की जो व्यक्ति इस धनुष को उठा लेगा मैं उसी से अपनी बेटी सीता का विवाह कर दूंगा। जनकपुर में बहुत लोग आए पर सभी को ज्ञात है कि भगवान श्री राम ने ही वह धनुष उठाया प्रत्यंचा चढ़ा दी इसके बाद मां सीता का स्वयंवर रचा और भगवान श्री राम से उनका विवाह हुआ।

पुनौराधाम भारत के बिहार राज्य में स्थित सीतामढ़ी में है। अतः भारत सरकार और बिहार सरकार का यह आध्यात्मिक और नैतिक दायित्व बनता है की पुनौराधाम को भारत का श्रेष्ठ धाम बनाने की दिशा में पुरजोर प्रयास करें। अयोध्या स्थित रामलाल के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए निमित्त ट्रस्ट से जुड़े श्री कामेश्वर चौपाल जी, जिन्होंने भव्य राम मंदिर के निर्माण की पहली ईट सबसे पहले लगाई थी का कहना है कि बिहार सरकार पुनौराधाम ट्रस्ट को यदि हमारे अयोध्या स्थित ट्रस्ट को सौंप दे तो हम सभी पुनौराधाम को अयोध्या की तर्ज पर भव्य दिव्य मंदिर और भारत का श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन बनाने की दिशा में विचार कर सकते हैं। उनका भी मानना है कि अयोध्या की मान्यता विश्व में भगवान राम लला को लेकर है तो मां सीता जी (मां जानकी) को लेकर पुनौराधाम का नाम विश्व में क्यों नहीं हो सकता।

भारत की जनता अब पुनौराधाम आने लगी है। जानकी नवमी को वहां बहुत बड़ा मेला लगता है। प्राकृतिक कुंड के सामने जानकी नवमी वाले दिन जगत गुरु रामभद्राचार्य जी पूजा अर्चना कर सभी को आशीर्वाद देते हैं। वहां 9 दिन तक भंडारा चलता है। देश भर से माता बहने आती हैं और अपने-अपने नवजात बच्चों और अनय बच्चों के सर पर मां जानकी के प्राकट्यस्थल का रज लगती है। यहां कहावत कहीं जाती है कि यहां का रज जिस नवजात बच्चे की ललाट पर लगता है उसमें लव कुश के संस्कार सहज आ जाते हैं। जगत जननी मां सच में इंतजार कर रही है कि और कह रही है कि जिनके कारण मेरा धरा पर अस्तित्व है उनका भव्य मंदिर बनने पर मैं बहुत खुश हूं पर मैं भी उनके साथ पतिव्रता अर्धांगिनी बनकर सदैव हर समय खड़ी रही, तो मेरे साथ भी न्याय होना चाहिए।

(पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

भारत ईरान संबंधों का भविष्य

ब्रह्मदीप अलूने

ईरान, यूरेशिया और हिन्द महासागर के मध्य एक प्राकृतिक प्रवेश द्वार है,जिससें भारत रूस और यूरोप के बाजारों तक आसानी से पहुंच सकता है। एशिया महाद्वीप की दो महाशक्तियां भारत और चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा समुद्री परिवहन और पारगमन की रणनीति पर देखी जा सकती है। चीन की पर्ल ऑफ स्प्रिंग के जाल को भेदने के तौर पर चाबहार बंदरगाह के रूप में अंततः भारत को सफलता मिल गई है लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में ईरान की स्थिति और कूटनीतिक दांव पेंचों के बीच यह कहा जा सकता है कि भारत की सामरिक और आर्थिक क्षमताओं की असली परीक्षा अब शुरू हो रही है।

दरअसल ईरान एक ऐसा देश है जो राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक प्रतिबंधों का सामना करते हुए अमेरिकी विरोधी खेमों से जुड़ने के लिए हमेशा तैयार नजर आता है। 2021 में चीन ईरान के बीच रणनीतिक रिश्तों की शुरुआत हो या मध्यपूर्व में प्राक्सी समूहों को मजबूत बनाएं रखने की कोशिश,अमेरिका की चुनौतियां ईरान ने बढाई है। इस बीच भारत अमेरिकी सहयोग बढ़ा है,हिन्द महासागर से लेकर लद्दाख तक,चीन से निपटने के लिए भारत को अमेरिका की जरूरत है,ऐसे में भारत ईरान के संबंधों के दीर्घकालीन समय तक सामान्य बने रहने को लेकर गहरी आशंकाएं है। ईरान चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का सदस्य है और वह इसे पूर्व और पश्चिम के बीच एक सेतु होने की ऐतिहासिक स्थिति को पुन:स्थापित करने के अवसर के रूप में देखता है। ईरान में परिवहन, बंदरगाहों, ऊर्जा,उद्योग और सेवाओं की विभिन्न परियोजनाओं में चीन अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है तथा वह ईरान का एक मजबूत आर्थिक सहयोगी बनकर उभरा है।

ईरान के पास विश्व में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के सबसे बड़े भंडारों में से एक मौजूद है। ईरान अपना तेल बेचने के लिए भारत को एक बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। भौगोलिक रूप से दोनों देश निकट है जो इसकी लागत को कम करता है और इससे ईरान की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। लेकिन भारत वैश्विक नियमों में बंधा हुआ एक लोकतांत्रिक और जिम्मेदार देश है,यहीं कारण है की भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए पिछले चार वर्षों से ईरानी तेल का आयात बंद कर दिया है। इससे भारत की ऊर्जा जरूरतें प्रभावित हुई, वहीं ईरान ने भी इसे ठीक नहीं समझा। भारत द्वारा कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने पर ईरान की ओर से कड़े बयान दिये गए तथा भारत के आंतरिक मुद्दों पर भी ईरान ने हस्तक्षेप करने से परहेज नहीं किया।

चाबहार को लेकर भी ईरान की नीतियां भारत को आशंकित करती रही है और ईरान से इस क्षेत्र में चीन के साथ सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं को भी तलाशने की कोशिश की। अब चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत और ईरान के बीच समझौता पूर्ण हो गया है,इसे सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से भारत के लिए महत्वपूर्ण भी माना जा रहा है। इसके कई भू राजनैतिक कारण है। चाबहार बंदरगाह परियोजना का विकास भारत ईरान की एक प्रमुख परियोजना है। भारत,ईरान और रूस के मध्य 16 मई 2002 को इस सम्बन्ध में एक समझौता हुआ था जिसके द्वारा ईरान होकर मध्य एशियाई राज्यों तक निर्यात करने के लिए एक उत्तर दक्षिण कॉरिडोर का निर्माण किया जा सके। ईरान में कैस्पियन सागर पर बने अस्तारा,बंदर अंजाली और अमीराबाद बंदरगाह रूस के अस्ताराखान बंदरगाह से बखूबी जुड़े हैं। अरब सागर के तट पर कराची बंदरगाह, ग्वादर बंदरगाह, कांडला बंदरगाह, मुंबई बंदरगाह और चाबहार भी है। भारतीय उपमहाद्वीप और अरब क्षेत्र के बीच हिन्द महासागर का हिस्सा है और भारत की कई नदियों का पानी फारस की खाड़ी में जाकर मिलता है। भारत के ईरान के साथ राजनीतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक संबंधों के बाद अब रणनीतिक क्षेत्र में अहम भागीदारी चाबहार के रूप में सामने आई है और ओमान की खाड़ी में स्थित चाबहार बंदरगाह अब भारत के कब्जे में है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित हो गया है कि ईरान के दक्षिण समुद्र तट को भारत के पश्चिमी समुद्र तट से जोड़ने का रणनीतिक दांव कामयाब हो गया है। यहीं नहीं इस परियोजना में अफगानिस्तान का सहयोग सामरिक संतुलन को बनाने में भी मददगार होगा। चाबहार और उत्तर दक्षिण पारगमन गलियारे का उद्देश्य अफगानिस्तान और मध्य एशिया क्षेत्र के लैंड लॉक्ड देशों के साथ सम्पर्क बढ़ाना है। भारत को अफगानिस्तान जाने के लिए ईरान ने एक पारगमन मार्ग उपलब्ध कराया है जिसे चाबहार देलाराम जेरांग मार्ग कहते है।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान भारत की कोई भी भूमिका नहीं चाहता जबकि भारत वहां के विकास कार्यों में बड़ा सहयोगी है। ईरान भी इस नए मार्ग को लेकर काफी उत्साहित है,क्योंकि भारत से जो माल पहले पाकिस्तान होते हुए सीधे अफगानिस्तान जाता था वह अब जहाजों के जरिए पहले ईरान के चाबहार बंदरगाह पर जाएगा और फिर वहां से ट्रकों द्वारा अफगानिस्तान पहुंचेगा। चाबहार बंदरगाह के जरिए भारत अफ़गानिस्तान के साथ ही सेंट्रल एशिया, रूस, पीटर्सबर्ग, सेंट्रल एशिया का लैंड लॉक्ड इलाक़े तक जुड़ जाएगा। इस प्रकार इस बन्दरगाह से भारत की सामरिक,आर्थिक और भू राजनीतिक स्थिति बेहद मजबूत होने की संभावना बढ़ेगी। चाबहार बंदरगाह भारत की आर्थिक ताकत बनने की आशा के प्रतीक के तौर पर भी देखा जा रहा है। गुजरात के कांडला बंदरगाह से केवल छह दिनों में चाबहार पहुंचा जा सकता है। वहां से रेल या सड़क के माध्यम से सामान आगे पहुंचाया जा सकता है। यही लाभ ईरान को भी होगा। भारत को ईरान से तेल,गैस और मध्य एशिया के लिए कनेक्टिविटी चाहिए ताकि पाइपलाइन के ज़रिए गैस लाई जा सके। इसके बदले में ईरान में निवेश बढ़ेगा।

वहीं चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत की दीर्घकालीन योजनाएं ईरान की जटिल धार्मिक और वैश्विक नीतियों के चलते कैसे पूरी होगी,इसको लेकर गहरा असमंजस है। चाबहार बंदरगाह से भारत को होने वाले फायदों के केंद्र में ईरान,अफगानिस्तान और रूस है। ये तीनों देश वर्तमान में कड़े वैश्विक प्रतिबंधों का सामना कर रहे है । अमेरिका ने लंबे समय से तालिबान को किसी भी तरह के समर्थन को अपराध घोषित कर रखा है। महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर अफगानिस्तान में तालिबान ने कड़े प्रतिबंधों को लेकर तालिबान ने कोई सुधार नहीं किया है। ऐसे में भारत और अफगानिस्तान में काबिज तालिबान के बीच सहयोग की गुंजाईश बेहद सीमित है। यूक्रेन पर रूस के हमलें के बाद रूस कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ साथ ऑस्ट्रेलिया,कनाडा और जापान सहित देशों ने रूस पर साढ़े सोलह हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए हैं। ब्रिटेन ने रूसी धातु,हीरे और ऊर्जा निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं। रूसी बैंकों की लगभग 70 फीसदी संपत्ति जब्त कर ली गई और कुछ को वित्तीय संस्थानों के लिए हाई स्पीड मैसेजिंग सेवा स्विफ्ट से बाहर कर दिया गया। रूस द्वारा हथियार बनाने के लिए इस्तेमाल की जा सकने वाली प्रौद्योगिकी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है तथा रूस से उड़ानें प्रतिबंधित कर दी गई है। अमेरिका और ब्रिटेन ने रूसी तेल और प्राकृतिक गैस पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरोपीय संघ ने समुद्री रास्ते से कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मैकडॉनल्ड्स,कोका कोला,स्टारबक्स और हेनेकेन सहित सैकड़ों प्रमुख कंपनियों ने रूस में सामान बेचना और बनाना बंद कर दिया है। चाबहार बंदरगाह वाला ईरान गंभीर मानवाधिकारों के उल्लंघन और परमाणु बम बनाने की कोशिशों के कारण कई वैश्विक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। ईरान को बेचने, आपूर्ति करने, स्थानांतरित करने या निर्यात करने पर कड़े वैश्विक प्रतिबंध है। यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रामक युद्ध में ईरान के सैन्य समर्थन से दुनिया नाराज है।

ईरान की कूटनीति और भारत की स्थिति में गहरें अंतर्द्वंद और विरोधाभास है। ईरान के दो सबसे बड़े शत्रु राष्ट्र अमेरिका और इजराइल भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक और सामरिक साझेदार है। भारत और अमेरिका व्यापक रणनीतिक भागीदार हैं और दोनों के बीच सहयोग व्यापार, रक्षा, बहुपक्षवाद, खुफिया, साइबर स्पेस, नागरिक परमाणु ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। भारत और इज़राइल के बीच गहरें द्विपक्षीय आर्थिक, सैन्य और रणनीतिक संबंध है। भारत इजराइल के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है। भारत इज़रायली सैन्य उपकरणों का सबसे बड़ा खरीदार है और रूस के बाद इज़रायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है। दोनों देशों के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंध आतंकवादी समूहों पर खुफिया जानकारी साझा करने और संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण तक विस्तारित हैं।

मध्य पूर्व का भौगोलिक क्षेत्र तीन महाद्वीपों का संगम क्षेत्र है। यूरोप एशिया और अफ्रीका। यह क्षेत्र लाल सागर,काला सागर तथा एड्रियाटिक सागर नामक तीन जलडमरू मध्यों के द्वारा चौथे समुद्र भूमध्यसागर से भी जुड़ा है। सीमा की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण क्षेत्र अल्जीरिया और ट्यूनीशिया की पूर्वी सीमा से लेकर अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान तक फैला हुआ है। चाबहार बंदरगाह,वैश्विक बाज़ार में पहुंच बढ़ाने के लिए भारत के लिए बहुत मददगार बन सकता है। लेकिन ईरान चीन और रूस के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है,ऐसे में अमेरिका और यूरोप ईरान की ऐसी किसी भी योजना को फलीभूत नहीं होने देंगे,जिसका व्यापक लाभ उसे मिल सके। जाहिर है चाबहार बंदरगाह के व्यापक फायदों के लिए ईरान में लोकतांत्रिक सरकार, पुतिन का पतन तथा जिनपिंग की साम्राज्यवादी आक्रामक नीतियों जैसे व्यापक परिवर्तनों की जरूरत होगी और इसकी उम्मीद फ़िलहाल कहीं दिखाई नहीं पड़ती। इसके साथ ही भारत ईरान के साथ सहयोग बढ़ाने को लेकर अमेरिका, इजराइल और यूरोपीय देशों से संबंध बाधित कर ले,इसकी संभावना भी बिल्कुल नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

तेज गर्मी से पारा 42 डिग्री तक पहुंचा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। तेज गर्मी के प्रकोप के चलते विदिशा शहर का दिन का तापमान 42 डिग्री और रात का तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा है। जिसके चलते दोपहर के समय शहर की सड़कों पर भी कम लोग ही दिखाई दिए। गुरुवार को आसमान में बादल छाये रहे, लेकिन हवाएं मंदी रहने के कारण मौसम में उमस बढ़ी रही। जिससे लोग बेहाल रहे। आगे दो से तीन दिन में दिन का तापमान बढ़कर 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विज्ञानी सतेन्द्रसिंह तोमर के पूर्वानुमान के मुताबिक इस बार समय से पहले ही 10 जून के आसपास मानसून आने की संभावना है।

पुलिस ने नदी किनारें 230 डिब्बों में रखे लगभग डेढ़ टन महुआ लहान किये नष्ट

मण्डला --जिले में उपनगर थाना महाराजपुर पुलिस को भ्रमण के दौरान सूचना मिली की ग्राम मानादेही में नर्मदा नदी के किनारे भारी मात्रा में महुआ लहान अवैध शराब बनाने के उद्देश्य से रखा गया हैं। सूचना पर थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा ग्राम मानादेही हेतु टीम रवाना किया गया। जिसमें ग्राम मानादेही में नदी किनारे भारी मात्रा में प्लास्टिक के डिब्बे मिले जिसमें महुआ रखा गया था। पुलिस टीम द्वारा नदी किनारे रखे लगभग 230 प्लास्टिक के केन में रखे लगभग डेढ़ टन महुआ लहान नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही थाना महाराजपुर प्रभारी निरीक्षक ममता परस्ते के नेतृत्व में टीम उप निरीक्षक योगेश चौहान, उप निरीक्षक कुंवर बिसेन, आरक्षक शिवा नाविक, प्रियांश पाठक व अन्य पुलिस शामिल रहें।

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन हेतु प्रत्येक घर का सर्वे करें

मण्डला--प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पाठासिहोरा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक घर का सर्वे करें। गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनकी अनमोल पोर्टल पर एंट्री करें तथा टीकाकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रत्येक गर्भवती महिला की एनीमिया सिकलसेल आदि की जांच करें। डॉ. सिडाना ने पिछले माहों में हुए प्रसव की जानकारी लेते हुए जच्चा-बच्चा का फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ तथा बीएमओ स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण करें।

स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

एनटीपीसी खरगोन में, स्वच्छता पखवाड़ा 16 मई 2024 को कर्मचारियों और सहयोगियों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह के साथ शुरू हुआ। शपथ श्री सुभासिस बोस, बीयूएच खरगोन द्वारा दिलाई गई। श्री पी.के. लाड, महाप्रबंधक (टीएस), श्री वी. मोहन, महाप्रबंधक (संचालन), और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की रूपरेखा श्रीमती प्रीति जोशी, प्रबंधक (विधि) द्वारा प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर बीयूएच खरगोन ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने पर सम्मानित अधिकारियों के सुझाव दिए गए और स्वच्छता के महत्व पर चर्चा हुई। स्वच्छता को प्राथमिकता देने वाली जीवनशैली के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई और पूरी अवधि के दौरान इन्हें मनाया जाएगा। पखवाड़ा 16 मई से मनाया जाएगा और 31 मई तक चलेगा।

कलेक्टर ने एसडीएम एवं तहसील न्यायालय का निरीक्षण किया

सिवनी- कलेक्टर क्षितिज सिंघल ने गुरुवार 16 मई को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी न्यायालय तहसीलदार, नायब तहसीलदार न्यायालय एवं लोकसेवा केंद्र का निरीक्षण कर कार्यो एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने न्यायालयों आवेदन पंजी, पावती संधारण, अपील पंजी, अभिलेख पासबुक सहित नामांतरण बटवारा संबंधी प्राप्त आवेदनों का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों पर पर पक्षकारों को सुनवाई के लिए नियत तिथि के पूर्व सूचित करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को दिए। इसी तरह प्राप्त आवेदनों पर संबंधित न्यायालय द्वारा निराकरण की स्थिति का विभागीय राजस्व पोर्टल पर भी अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारी कर्मचारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी सुश्री मेघा शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेयजल के लिये आंदोलन

सांध्य प्रकाश, विदिशा। मोहनगिरी के शिवधाम कॉलोनी में रहने वाले नागरिक आजकल पड़ रही तेज़ गर्मी के चलते पेयजल के लिए परेशान हैं और अपने घर से दूर जाकर पानी लेकर आने को मजबूर हैं। जबकि इस क्षेत्र में पाइप लाइन भी बिछी है, लेकिन उसमें पानी सप्लाई नहीं होता है। कुछ नागरिकों ने इस समस्या के समाधान हेतु कलेक्टोरेट और नगर पालिका में भी गुहार की है, लेकिन कोई हल नहीं निकला है इसके चलते अब कॉलोनी के रहवासियों द्वारा आंदोलन की तैयारी की जा रही है।

स्वास्थ्य — आज हाईपर टेंशन-डे पर ब्लड प्रेशर से बचने के नुस्खे बताए डॉ. ऐश्वर्य मोदी

गलत खानपान, चिंता और नशा बीपी का अहम कारणः डॉ. मोदी

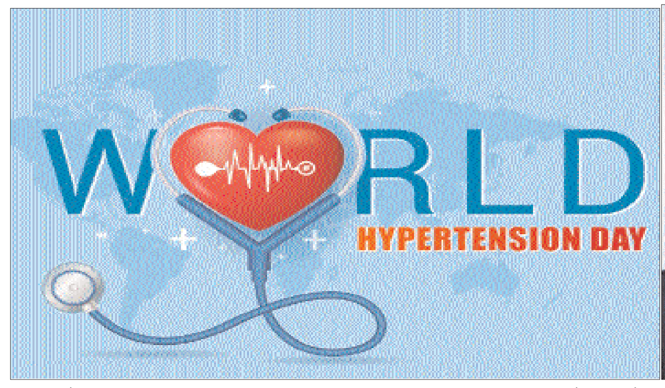

सांध्य प्रकाश, विदिशा। आज हाईपर टेंशन-डे है। विश्व स्तर पर बढ़ती बीमारियों में हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत 1 अरब से अधिक व्यक्तियों को चिन्हित की गई है। डब्ल्यूएचओ द्वारा किए गए सर्वे की यदि मानें तो भारत में प्रत्येक चौथे व्यक्ति को हाई बीपी की शिकायत है। इस बारे में विदिशा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ऐश्वर्य मोदी कहते है कि उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी के रूप में हाई ब्लड प्रेशर को जाना जाता था, लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि हाई ब्लड प्रेशर से युवा वर्ग भी लगातार शिकार हो रहे हैं और बीते वर्ष 2023-24 में इसके मरीजों की संख्या 900 के लगभग पहुंच गई है।

हाई ब्लड प्रेशर होने के कारणों की जानकारी देते हुए डाक्टर मोदी का कहना है कि शुरूआत में हाई ब्लड प्रेशर के बढ़ने का आभाष नहीं होता और इसके गंभीर स्थिति में पहुंचने पर ही इसकी जानकारी मिलती है। इसलिए इसे सायलेंट किलर भी कहा जाता है। धूम्रपान, शराब, तम्बाकू का सेवन, देर रात तक सोशल मीडिया पर व्यस्त रहना, ज्यादा वजन होने के साथ-साथ भविष्य के प्रति चिंता और तनाव होना हाई ब्लड प्रेशर होने के प्रमुख कारण हैं।

कैसे करें नियंत्रित

घर में बने संतुलित आहार का ज्यादा सेज्यादा उपयोग करते हुए बाजारू फास्ट फूड का उपयोग न करें, मौसम के फल, सब्जियां, सलाद एवं साबूत अनाज का उपयोग अपने भोजन में अधिक करें। नमक में सोडियम होता है, जो कि ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है इसलिए इसका उपयोग कम से कम करें। प्रतिदिन 30 मिनिट तक पैदल चलें, सायकल चलाएं, तैराकी या कसरत करें।

नर्स की संदिग्ध मौत

सांध्य प्रकाश, विदिशा। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनीष निगम ने बताया कि हॉस्पिटल में अर्थोपेटिक विभाग में काम करने वाली जबलपुर निवासी नर्स किरण रैकवार जो की हॉस्टल के कमरा नंबर 406 में रहती थी गुरूवार की सुबह हॉस्टल के बाथरूम में बेहोश मिली। दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला गया और उसे अस्पताल लेकर आए तब उसकी बीपी और पल्स नहीं थी। तत्काल उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टर ने काफी कोशिश की लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस भी मेडिकल कॉलेज पहुंची। पुलिस ने हॉस्टल पहुंचकर बारीकी से सभी चीजों का अवलोकन किया। साथ ही नर्सिंग स्टाफ के बयान भी लिए। मौत की सही वजह पीएम में सामने आएगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किरण रैकवार का पोस्टमार्टम होने के बाद मृत शरीर परिजनों को सौंप दिया, जिसको लेकर वह जबलपुर रवाना हो गए।

भिक्षावृत्ति से मुक्त हो विदिशा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। समाजसेवी डॉक्टर जीके महेश्वरी ने विदिशा शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने की अपील शहरवासियों से की है। इनका कहना है कि विदिशा शहर में भूखे को भोजन, प्यासे को पानी की व्यवस्था कई संस्थाओं द्वारा निशुल्क की जा रही है, साथ ही निराश्रित वृद्धजनों को रहने-खाने के लिए एक वृद्धाश्रम भी है। हाल ही में निराश्रित, मंदबुद्धि, विकलांग लोगों के लिए अपना घर आश्रम भी प्रारंभ हो चुका है, फिर भी लोग भीख मांग रहे हैं। विदिशा को भिक्षा-मुक्त करने के लिए हमको केवल यह करना है भिखारी को नगद रुपया का दान न करें।

बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों को निराकृत करेंः कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में डीएलसीसी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, सहायक कलेक्टर कॉजोल सिंह, एलडीएम आर.एस. सिन्हा सहित सीईओ जनपद, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा संबंधित विभागीय अधिकारी और बैंकर्स उपस्थित रहे।

कलेक्टर जी.आर. ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि हितग्राही मूलक योजनाओं के लंबित ऋण प्रकरणों को समयानुसार निराकृत करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारी आपस में अच्छा समन्वय बनाकर कार्य करें। जिससे आम लोगों को परेशानी न हो। साथ ही विभिन्न रोजगार मूलक ऋण से संबंधित प्रोसेस को सरल बनाएं। कलेक्टर ने खजुराहो क्षेत्र में फ्लोरीकल्चर के संबंध में वर्क आउट कर प्लानिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा लोगों की शत-प्रतिशत ई-केवायसी कराएं। साथ ही एलडीएम को निर्देश दिए कि स्वसहायता समूहों से संबंधित बैंकवार साप्ताहित रोस्टर निकालकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कैंप लगाकर आवेदनों का निराकरण करें। उन्होंने कहा योजना एवं रोजगार मूलक ऋणों में आवश्यक दस्तावेजों की लिस्ट बनाएं और साल की शुरूआत में अपने टारगेट को ध्यान में रखते हुए कार्य करें।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने कहा 18 से 30 मई 2024 तक क्षेत्रों में स्वसहायता समूहों के बचत खाता खोलने के लिए प्रमुखता से कैंपो का आयोजन किया जाए। इसके लिए सीईओ जनपद एवं नगरीय निकायों के सीएमओ अच्छी प्लानिंग करें। उन्होंने कहा प्रत्येक ब्लॉक में एक एसएचजी को मॉडल के रूप में तैयार करें। साथ ही जिले के स्थानीय कार्य बकरी पालन आदि को प्राथमिकता के आधार पर प्रमोट करें। बैठक में विभागवार ऋण संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों को डेली डिस्पोज करने के निर्देश दिए।

न्यू नर्मदा वैदिक स्कूल के बीच सड़क पर गिट्टी डाली गई, आये दिन राहगीर वाहन चालको की गाड़ी उतर रही नाली में

औबेदुल्लागंज संवाददाता- वार्ड नंबर 02 महावीर कॉलोनी स्थित न्यू नर्मदा वेदीक स्कूल के सामने गिट्टी बीच सीसी सड़क पर पड़ी हुई है। ऊक्त गिट्टी से आये दिन कॉलोनी की जाम नालियों में वाहन फंस जाते हैं एवं चार पहिय्या वाहन मालिकों का आर्थिक नुकसान होता है। ऐसी ही एक घटना स्थानीय निवासी आलोक भट्ट के साथ हुई। वह अपनी कार से घर से भोपाल जाने के लिए निकले से भोपाल जा रहे थे, उनकी क्युड कार न्यू नर्मदा वैदिक स्कूल के सामने गिट्टी पड़ी होने से नाली में फस गई। यहां स्कूल संचालक के साथ स्थानीय परिषद पर भी सवाल उठते हैं कि कॉलोनी की नालियां खुली व गंदगी से भरी हुई क्यों हैं। मजबूरन आलोक भट्ट द्वारा हाइड्रा बुलवाकर 02 हज़ार अपनी जेब से लगाकर गाड़ी बाहर निकलवाई। आलोक भट्ट द्वारा बताया गया कि जब इसकी शिकायत स्कूल संचालक से की गई तो, उनका कहना था ÷आपको दूसरे रास्ते से चले जाना था÷। सूत्रों के मुताबिक इससे पूर्व चार गाड़ियां फंस चुकी हैं लेकिन स्कूल संचालक द्वारा गिट्टी रोड से नहीं हटाई गई। समाजसेवी पंकज यादव ने बताया कि रोज़ाना राहगीर परेशान हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले चार-पांच गाड़ी और फंस चुकी हैं लेकिन स्कूल संचालक अपने अड़ियल रवैय्ये से लोगों को परेशान करने पर आमादा है।

धूमधाम से मनाई गई केवट जयंती दमोह के तेंदूखेड़ा में हजारों की संख्या में माझी समाज ने एकजुट होकर निकाली भव्य शोभायात्रा

दमोह जिले में रायकवार माझी समाज दमोह के द्वारा प्रभु राम सखा और माझी समाज के आराध्य देव भगवान केवटराज महाराज जी की जयंती का पर्व धूम-धाम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में दमोह के घंटाघर पर विराजमान भगवान प्रभु श्रीराम और केवटराज महाराज जी का आरती पूजन अर्चन किया गया। साथ ही ग्राम सलैया में संभागीय अध्यक्ष राकेश धुरिया के नेतृत्व में केवट जयंती का पर्व धूम-धाम के साथ मनाया गया। इस दौरान रायकवार माझी समाज के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोंटी रायकवार ने स्वजातीय बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोग हमारी समाज के लिए तोड़ने का काम करते हैं। हमारे लिए समाज को जोड़ने का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि मांझी,केवट,कहार, निषाद, बर्मन रायकवार ही ढीमर जाती हैं। हम सभी को मिलकर रहना है। तो लोग हमारे लिए तोड़ नहीं सकते हैं। उन्होंने तेंदूखेड़ा में आयोजित भव्य शोभायात्रा में समाज की एकता पर खुशी जाहिर करते हुए आयोजक मंडल को बधाई दी है।

तेंदूखेड़ा में समाज के अध्यक्ष रामकुमार केवट टेलर मास्टर ने भगवान केवट राज महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि केवट जी ने अपनी नाव में प्रभु श्रीराम को गंगा के उस पारउतारा था। वे केवट थे अर्थात नाव खेने वाले। गुहराज निषाद ने पहले प्रभु श्रीराम के चरण धोए और फिर उन्होंने अपनी नाव में उन्हें सीता, लक्ष्मण सहित बैठाया। नगर में बुधवार को उनकी जयंती मनाई गई। पंचांग भेद से चैत्र शुक्ल पंचमी को गुहराज निषादजी जयंती और वैशाख कृष्ण चतुर्थी को केवट समाज जयंती मनाई जाती है। शाम 4 बजे से नगर के वार्ड क्रमांक 08 में स्थित शिव मंदिर से विशाल शोभायात्रा पूरे नगर में निकाली गई जो प्रमुख मार्गो से होकर निकली। शोभायात्रा में केवट समाज के महिला पुरुषों के अलावा अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।समाजो से प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस भव्य शोभायात्रा में भगवान श्री राम की अनेक झांकियां वाहनों पर शोभायमान थी। शोभायात्रा के आगे अखाड़े में हैरतंगेज कारनामे में करते कलाकार डीजे की धुनों पर पर युवा नाचते गाते चल रहे थे। शोभा यात्रा के समापन के उपरांत प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया और रात्रि 10 बजे से वार्ड क्रमांक एक में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं सम्मिलित रहे। इस समाज के वरिष्ठ छोटे लाल केवट,समाज के अध्यक्ष मोंटी रायकवार, तेंदूखेड़ा समाज के अध्यक्ष रामकुमार केवट,मनीष केवट,राम सिंह केवट, जितेंद्र केवट, गोपाल रायकवार,विजय रायकवार, मुन्ना रायकवार, हिमांशु रायकवार, ओम रायकवार,रमेश केवट,सरयू केवट, रोशन केवट, विशाल केवट, नरेश केवट, गोविंद केवट, धर्मेंद्र रायकवार,डेलन रायकवार,दमोह में शहर अध्यक्ष राकेश रायकवार,पैलू रायकवार, राजकुमार रायकवार, प्रहलाद रायकवार, शिवम रायकवार,मदन रायकवार, विकास रायकवार, रोशन रायकवार की विशेष रूप मौजूदगी रही,

कलेक्टर के निर्देशन में पटवारियों को दिया जा रहा तकनीकी प्रशिक्षण

छतरपुर। ष्कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिला पंचायत छतरपुर स्थित ई-दक्ष केंद्र में नवनियुक्त पटवारियों को राजस्व संबंधित विभिन्न कार्यों का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें वेब जीआईएस, आरसीएमएस, रोवर तकनीकी, सारा, ईटीएस सहित सामान्य कम्प्यूटर के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अधीक्षक भू-अभिलेख आदित्य सोनकिया ने बताया की उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से नवनियुक्त पटवारियों को सभी आवश्यक सॉफ्टवेयर पर कार्य करने हेतु सक्षम बनाया जा रहा है ताकि आगामी समय में वो फील्ड के साथ-साथ ऑनलाइन कार्यों को भी सुगमता से पूरा कर सकें। जिससे किसानों और हितग्राहियों को सभी सेवाएं त्रुटि रहित प्राप्त हो और सम्पूर्ण कार्य हो। उक्त प्रशिक्षण 28 मई 2024 तक दो सत्रों में चलेगा। एसएलआर के नेतृत्व में प्रशिक्षण हर्ष चतुर्वेदी, नीरज बाजपैयी, नीरज पटेरिया, पटवारी कमलेंद्र पटेल, देवराज अहिरवार द्वारा दिया जा रहा है।

पंचायतों के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. द्वारा जिले की ग्राम पंचायतों में बेहतर ढंग से शासकीय कार्यों एवं सेवाओं के संचालन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार द्वारा जिला पंचायत में जनपद पंचायत छतरपुर अंतर्गत में 81 ग्राम पंचायतों के कार्यो के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में एसीईओ चंद्रसेन सिंह, जनपद सीईओ अजय सिंह सहित परियोजना अधिकारी एस.बी.एम. एवं समस्त शाखाओं के शाखा प्रभारी तथा पंचायतों से संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन हुआ

छतरपुर। वृंदावन से पधारे आदरणीय श्री श्री 1008 स्वामी श्रीकिशोर दास जू महाराज के आगमन पर डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम और उनके परिवार के सभी सदस्यों ने ढोल नगाड़े के साथ उनका हृदय से स्वागत किया। उन्होंने अपने आशीष वचन में कहा कि श्रीमद् भागवत कथा पुराण में सभी ग्रन्थों का सार है और यही एक ऐसा ग्रन्थ है जिसमें भगवान की सभी लीलाओं का वर्णन किया गया है। यह बाते हम सभी जानते हैं और हर कथाओं में सुनने को भी मिलती है मगर कथा श्रवण के बाद उस पर अमल करने से ही पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीमन्न नारायण ने अनेक लीलाएं की है और अनेक अवतारों में मनुष्य को सामान्य रूप से जीने की शिक्षा दी है।

श्री राधे श्याम शास्त्री जी ने कथा विस्तार में सुनाया कि सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते । गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश हैं उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौडकर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। इसी के कथा का विराम हो गया। शास्त्री जी ने आगे बताया कि

श्रीमद भागवत कथा साक्षात् भगवान श्री कृष्ण ही है। जो सात दिन विधि विधान से श्रीमद भागवत कथा सुने। उसे मुक्ति मिल जाती है ए अगर कुछ और न चाहें तो ! कितनी बड़ी बात है मानव जीवन का उद्देश्य मात्र सात दिन में पूरा हो सकता है। अगर व्यक्ति मन लगाकर श्रीमद भागवत कथा अपने चित में धारण कर ले। याद रखिये इस बात को कि ये सिर्फ इच्छा पूर्ति करने का ही एक पुराण नहीं कि आप जो मांगे वो प्राप्त हो जायेगा। मुक्ति प्राप्त कराने वाला ये ग्रंथ साक्षात् श्री कृष्ण ही है। प्रत्यक्ष श्री कृष्ण ही है। भागवत में और कृष्ण में कोई अंतर नहीं है। कलिकाल में पुराणरूपी कृष्ण हम सबके समस्त पापों का हरण करने के लिए भागवत के रूप विराजमान है। वो जीव कितने अभागे है जो ईश्वर को त्याग कर संसार के बंधनों में फसे पड़े है। आज सप्तम दिवस है आज एक सत्य समझ लीजिये। इस में आपने अब तक जो भी कमाया है। वो सब यही रहे जाना है। खाली हाथ जाना है लेकिन हमारे शात्र ऐसा कहते है। तुम्हारें पास जितनी लक्ष्मी है आयेगी जाएगी। तुम्हारा शरीर हर एक दिन बदल रहा है। हर एक चीज यहां पर छूट जानी है।

जेवीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में सिंघम और जेआरबी ने जीते अपने अपने मैच

सिवनी- जेवीपीएल टूर्नामेंट के लीग मैच में दो मैच खेले गए पहला मैच सिंघम और न्यू ग्रीन सिटी के मध्य हुआ जिसमें सिंघम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 6 विकेट के नुकसान पर मात्र 82 रन बनाकर 83 रनो लक्षय दिया सिंघम की और से किशोर बमानकर ने शानदार 30 रनो की पारी खेली न्यू ग्रीन सिटी की और से मस्तराम ने 2 ओवर मै 14 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू ग्रीन सिटी ने निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर मात्र 66 रन ही बना पाई और यह मैच सिंघम ने 16 रनो से जीत लिया सिंघम की टूर्नामेंट मै यह पहली जीत है इस मैच के मैन ऑफ दा मैच किशोर बमानकर रहे। दूसरा मैच छुत्रक्क और एमसीसी के मध्य हुआ छुत्रक्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 7 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाकर एमसीसी को 96 रनो का लक्ष्य दिया छुत्रक्क की और से नफीस और वाहिद ने 21-21 रनो की पारी खेली लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमसीसी ने निर्धारित 10 ओवर मै 6 विकेट के नुकसान पर मात्र 86 रन ही बना पाई छुत्रक्क ने यह मैच 9 रनो से जीत लिया एमसीसी की और से सुनील ने शानदार 47 रनो की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच नफीस खान रहे। दोनों मैचो मै निर्णायक की भूमिका बंटी बिसेन और सदाम खान रहे आज के मुख्यअतिथि, सतीश चिंटोले और बिसेन जी थे। 17-05-24 को भी दो मैच खेले जाएंगे।

काव्य, संगीत और भावना की एक शामःसुजॉय प्रसाद चटर्जी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

नई दिल्ली, 13 मई 2024- इंडिया इंटरनेशनल सेंटर ने प्रख्यात हरफनमौला कलाकार और अभिनेता सुजॉय प्रसाद चटर्जी और संगीतकार शिबाशीष बनर्जी की प्रस्तुति के सजीव प्रसारण की मेजबानी की। कोलकाता में अत्यधिक सफल उद्घाटन के बाद %छ्ह्लक्रह्वश्चद्गस्न% शीर्षक से पेश इस प्रोडक्शन के तहतछंद, गद्य, पत्र और संगीत के साथ सुजॉय के पारस्परिक संवाद ने सभी का मन मोह लिया। इस कलात्मक मूलपाठ में लेयोनार्द कोहेन, बॉब डायलैन, अमृता प्रीतम, जेनई दलाल, सुहैर हम्मद, आमिर अजीज, विलियम शेक्सपीयर और कई अन्य क्षेत्रीय कवियों की रचनाएं शामिल थीं। शब्दों के साथ सुजॉय की सहजता और वाकपटुता एवं संगीत की सराहना सभी दर्शकों ने की। वहीं, ओथेलो की रचना को उन्होंने मूरे और हेरोइन की आवाज में जिस तरह से प्रस्तुत किया, लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इसी प्रकार, शिबाशीष ने हालेलुजा, इमैजिन और कई अन्य दिल को छू जाने वाले गीत गाए। अमृता प्रीतम की मैं तेनू फिर मिलांगी जैसे गानों को सुजॉय ने साहिर लुधियानवी के अमर गीत कभी मेरे दिल में जैसे गानों के साथ मिलाकर गाया। इस शाम को सुजॉय ने स्वयं रचित पत्र राजकुमार चिट्ठी से चार चांद लगा दिया जो दो व्यक्तियों के बीच एकतरफा प्यार पर आधारित प्रस्तुति थी। इस प्रस्तुति को देखकर कई दर्शकों की आंखे नम हो गईं। सुजॉय का कहना है कि यादों और काव्य प्रतिभा का एक समागम है जिसे मैंने कला के माध्यम से दो दशकों तक जिया है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई मुझमे एक आवाज पाता है।

आईआईटी मद्रास अपने 80 प्रतिशत से अधिक के विद्यार्थियों और 75 प्रतिशत से अधिक मास्टर डिग्री के विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दिलाने में सफल

औसत और मीडियन सैलरी के रुझान पिछले वर्षों की तरह×जापान,यूरोप और अन्य देशों की कम्पनियों ने दिए 44 अंतर्राष्ट्रीय ऑफर और 85 स्टार्ट-अप से मिले 183 ऑफर चेन्नई] पिछले दो वर्षों में आईआईटी मद्रास के 90 प्रतिशत बीटेक और डुअल -डिग्री ग्रेजुएट को उनके दीक्षांत समारोह तक करियर में कदम रखने के अवसर मिल गए। साल 2024 के दीक्षांत समारोह में अभी दो महीनों से अधिक का समय बचा है और आईआईटी मद्रास इस साल भी यह कीर्तिमान करने जा रहा है। आईआईटी मद्रास इस वर्ष 30 अप्रैल 2024 तक अपने 80 प्रतिशत से अधिक बीटेक/डुअल डिग्री के विद्यार्थियों और 75 प्रतिशत से अधिक मास्टर के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट सुनिश्चित कर लिया। साल 2023×24कैंपस प्लेसमेंट के चरण। और चरण।। में संस्थान के 1091 विद्यार्थियों को 256 कम्पनियों में जॉब मिल गए । इतना ही नहीं]उन्हें 300 प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिलेजिन में 235 स्वीकार किए गए। जापान यूरोप और अन्य देशों की कम्पनियों ने 44 अंतर्राष्ट्रीय ऑफर दिए।इसके अलावा]कैंपस प्लेसमेंट के पहले और दूसरे चरण में 85 स्टार्ट-अपने भी 183 ऑफर दिए । प्लेसमेंट प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों में 43 प्रतिशत कोर सेक्टर में हैं]इसके बाद 20 प्रतिशत सॉफ्टवेयर में हैं और एनालिटिक्सक्फाइनैंसक्कंसल्टिंग और डेटा साइंस प्रत्येक में 10 प्रतिशत से कम हैं। चूंकि पीएचडी रिसर्च स्कॉलरों की पढ़ाई कोर्स की तरह नहीं होती और पीएचडी प्रोग्राम में समय की वह पाबंदी भी नहीं रहती है इसलिए उनके प्लेसमेंट का समय कोर्स आधारित पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की तरह नहीं हो सकता है । पीएचडी के कई विद्यार्थी अपनी पीएचडी थीसिस का'डिफेंस'दीक्षांत समारोह के बहुत नजदीक आने पर करते हैं । फिर भी उनमें कई काप्लेसमेंट दीक्षांत समारोह के कुछ महीनों के अंदर हो जाता है। पीएचडी के अधिकतर विद्यार्थी पोस्ट-डॉक्टोरल या फैकल्टी के पद पर नियुक्ति चाहते हैं । और चूंकि पीएचडी के ग्रैजुएट कुछ मुख्य डोमेन में विशेषज्ञता रखते हैं इसलिए उनके प्लेसमेंट के लिए कुछ विशेष कम्पनियों से संपर्क करना होता है। हालांकि आगामी शैक्षिक वर्ष से एक रिसर्च स्कॉलर प्लेसमेंट सेल बनाने की योजना है ताकि ऊपर बताए गए मुद्दों का भी समाधान हो जाए। इस वर्ष औसत और मीडियन सैलरी क्रमशः 19-6 लाख रु- और 22 लाख रु है ।

सैमसंग ने भारत में अगली पीढ़ी के एआई इन्वर्टर कंप्रेसर वाले तीन नए रेफ्रिजरेटर को लॉन्च किया

गुरुग्राम, । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज तीन नए रेफ्रिजरेटर को लॉन्च कर दिया है, जो उपभोक्ताओं को उनकी पसंद को जरूरतों के मुताबिक ढालने में मदद करते हुए भारतीय घरों के लिए स्मार्ट लिविंग का विकल्प मुहैया कराते हैं। नए रेफ्रिजरेटर्स सैमसंग की अगली पीढ़ी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित इन्वर्टर कंप्रेसर से लैस है। एआई इन्वर्टर कंप्रेसर, सैमसंग के नए रेफ्रिजरेटर की बुनियाद है जो बिजली का खर्च कम करेंगे और मोटर और ऊर्जा दक्षता को बेहतर बनाकर पारंपरिक इंटरनल डिजाइन को बिलकुल नए आकार में लेकर सामने आता है।सैमसंग की आठवीं पीढ़ी का कंप्रेसर एआई को सामने लाता है - जो 27 साल पहले पेश किए गए अपने पहले कंप्रेसर के बाद क्रांतिकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है । एआई इन्वर्टर कंप्रेसर सेगमेंट-फर्स्ट होने के साथ 20 साल की वारंटी के साथ आता है, जो लंबे समय तक चलने वाले प्रदर्शन और ऊर्जा बचत की गारंटी देता है।नया एआई रेफ्रिजरेटर तीन मॉडल - 809 लीटर 4 डोर फ्लेक्स फ्रेंच डोर बीस्पोक फैमिली हबड्ड रेफ्रिजरेटर क्लीन चारकोल + स्टेनलेस स्टील कलर में और 650 लीटर 4 डोर कनवर्टिबल फ्रेंच डोर मॉडल्स क्लीन व्हाइट ग्लास फिनिश और ब्लैक कैवियार स्टील फिनिश में आता है।सैमसंग इंडिया में डिजिटल एप्लाएंसेज बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर सौरभ बैशाखिया ने कहा, ÷सैमसंग बीस्पोक एआई के साथ घरेलू उपकरणों के नए युग में प्रवेश कर रहा है, जो उच्च दक्षता वाले एआई इन्वर्टर कंप्रेसर से युक्त असाधारण प्रदर्शन वाले रेफ्रिजरेटर की पेशकश कर रहा है। एआई एनर्जी मोड का उपयोग करके उपभोक्ता 10त्न तक की ऊर्जा बचत कर सकते हैं।

भारतीय न्याय प्रणाली में नवाचार- नए आपराधिक कानूनों का युग

भोपाल। सांध्यप्रकाश संवाददाता। भारतीय न्याय प्रणाली ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के रूप में तीन नए आपराधिक कानूनों के साथ एक नई दिशा अपनाई है। इन कानूनों के 600 से अधिक संशोधनों के साथ, आपराधिक न्याय प्रणाली अब अधिक सुलभ, जवाबदेह, भरोसेमंद और न्याय-प्रेरित हो गई है।

यह जानकारी आज राजधानी भोपाल में अपराध कानून में किए गए परिवर्तन को लेकर प्रेस वार्ता के दौरान दी गई। इसमें सरकार के द्वारा नए कानून के संबंध में जिला विधिक अधिकारी प्रियंका उपाध्याय और उपायुक्त पुलिस प्रियंका शुक्ला ने जानकारी दी। इस दौरान पीआईबी के प्रशांत पथराडे और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विधि विशेषज्ञों ने बताया-

ई-एफआईआर और अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का उन्मूलनः नए कानूनों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति अब ई-एफआईआर दर्ज कर सकता है या किसी भी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करा सकता है, चाहे थाने का कार्य क्षेत्र कुछ भी हो।

डिजिटल पहुंच और सूचनाः एफआईआर की प्रति

इलेक्ट्रोनिक तरीके से प्राप्त की जा सकती है, और पुलिस को जांच की प्रगति के बारे में 90 दिनों के भीतर सूचित करना अनिवार्य है।

ऑनलाइन न्यायिक प्रक्रियाः निर्धारित समय सीमा के भीतर ई-मेल के जरिए केस से जुड़े दस्तावेज प्राप्त किए जा सकते हैं। आरोपी, पीड़ित या गवाह ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकते हैं, और फैसले को ऑनलाइन पढ़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ये नवाचार भारतीय न्याय प्रणाली को आधुनिक युग के अनुरूप बनाते हैं और न्याय की प्रक्रिया को तेज, अधिक प्रभावी और सुलभ बनाते हैं। इससे न्याय की प्राप्ति में आम नागरिक का विश्वास मजबूत होगा। भारतीय न्याय प्रणाली ने नए आपराधिक कानूनों के साथ एक नई दिशा अपनाई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, और भारतीय न्याय संहिता 2023 के अनुसार, न्याय प्रणाली अब अधिक पारदर्शी, तकनीकी उन्नत, और पीड़ित-केंद्रित हो गई है।

तकनीकी उन्नतिः न्याय प्रणाली में तकनीकी उन्नति को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें ई-रिकॉर्ड्स और वर्चुअल पेशी जैसे प्रावधान शामिल हैं।

गवाह संरक्षणः गवाहों की सुरक्षा के लिए %गवाह संरक्षण योजना% की शुरुआत की गई है, जिससे उन्हें न्याय प्रक्रिया में सुरक्षित भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

इन सुधारों से भारतीय न्याय प्रणाली अधिक समावेशी, प्रभावी और न्यायोचित बनेगी, जिससे पीड़ितों को त्वरित और सही न्याय मिल सकेगा।

धारदार और दिलचस्प फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' का प्रीमियर किया

भारत का सबसे बड़ा घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बहुभाषी स्टोरीटेलर्र ,श्चश्च5, सनशाइन पिर्ख्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रोड्यूज किए गए हार्ड-हिटिंग क्राइम ड्रामा - बस्तर- द नक्सल स्टोरी का प्रीमियर कर रहा है। द केरल स्टोरी की कामयाबी के बाद डाइरेक्टर सुदीप्तो सेन, प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह और लीड एक्टर अदा शर्मा की कोर टीम, एक और धारदार व विचारोत्तेजक नैरेटिव लेकर आई है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म, छत्तीसगढ़ की नक्सली बगावत को दबाने के लिए एक अकेले पुलिस अधिकारी द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों पर केंद्रित है। फिल्म में अदा शर्मा के साथ-साथ इंदिरा तिवारी, विजय कृष्णा, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा, सुब्रत दत्ता और राइमा सेन भी प्रमुख भूमिकाएं निभा रही हैं। आज से, दर्शक अब बस्तर को विशेष रूप सें ,श्चश्च5 पर स्ट्रीम कर सकते है बस्तर एक दिलचस्प दास्तान है जो नक्सली खतरे पर रोशनी डालती है। यह खतरा हजारों लोगों की जान ले चुका है और इसने पूरे इलाके में भारी तबाही मचा रखी है। सच्ची घटनाओं से प्रेरणा लेते हुए, यह फिल्म ऐसे वफादार पुलिस अधिकारी के कदमों को फॉलो करती है जो छत्तीसगढ़ में नक्सली विद्रोह से जूझने के लिए तमाम हदें पार कर जाता है। आपको अंदर तक झकझोर देने वाले भावुक पलों के साथ, बस्तर इस मुद्दे की पेचीदगियों पर बेबाक नज़र डालती है। गुमनाम नायकों के आतंकवाद से लड़ने तथा अधिकारियों की निजी मुश्किलों और नक्सली समुदाय के खिलाफ उनकी साहसी जंग को गहराई से जानने के लिए ,श्चश्च5 पर बस्तर को अवश्य देखें। यह फिल्म अब हिंदी और तेलुगु में भी उपलब्ध है।श्चश्च5 के चीफ बिजनेस ऑफीसर मनीष कालरा ने बताया, ÷श्चश्च5 पर, हम हमेशा ऑडियंस के साथ जुड़ने वाली कहानियां दिखाने में सबसे आगे रहते हैं। %बस्तर% हमारे कंटेंट लाइनअप में जोड़ी गई एक जोरदार फिल्म है, जो नक्सली विद्रोह जैसे संवेदनशील मुद्दे के साथ ईमानदारी से निपटती है। हम पक्के तौर पर मानते हैं कि सच्ची व प्रासंगिक कहानियां हमारे दर्शकों से जुड़ जाती हैं और बस्तर ऐसी ही एक कहानी है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर बताया जनभागीदारी का महत्व

समुदाय को जोड़कर करेंगे डेंगू का खात्मा

भोपाल। कोई भी कार्य हो बिना सहभागिता के पूर्ण नही होता है, अतः जनभागीदारी प्रत्येक कार्य के लिए जरूरी है, जनभागीदारी से हम सब मिलकर भोपाल जिले से डेंगू का खात्मा जरूर करेंगे।गुरुवार को डेंगू दिवस के उपलक्ष्य में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से जिला मलेरिया कार्यालय एवं एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से श्रमिक स्वास्थ्य शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को डेंगू नियंत्रण के लिए शपथ दिलाई गई साथ ही बैनर पोस्टर के माध्यम से डेंगू से बचाव के बारे में बताया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में सभी जोन में मलेरिया टीम एवं एंबेड परियोजना के बीसीसीएफ द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया गया जिसमे इस वर्ष को थीम है कनेक्ट विथ कम्युनिटी, कंट्रोल डेंगू अर्थात समुदाय को जोड़कर डेंगू का नियंत्रण विषय पर लोगों को सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में सभी जगह टीम के द्वारा लोगों को जागरूक किया।स्वास्थ्य शिविर टीम, मलेरिया टीम एवं एंबेड टीम उपस्थित रही मच्छर जनित रोगों के उन्मूलन के लिए वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है,16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मना रहे है, इस वर्ष भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस की मुख्य थीम है "Connect with Communty, Dengue Control" अर्थात समुदाय के साथ जुड़कर डेंगू का नियंत्रण करे। जनभागीदारी किसी भी कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाने में अपना अहम भूमिका निभाती है अतः हम सब मिलकर भोपाल जिले को डेंगू मुक्त बनाएंगे।

इसी क्रम में आप सभी से अपील है कि घर के आस पास पानी जमा नही होने दे, डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, यह मच्छर सात दिन में अंडा देता है अतः सात दिवस के अंदर पानी की निकासी कराएं, पानी ढककर रखें। बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर अपनी जांच अवश्य कराए एवं चिकित्सक के अनुसार निर्धारित दवा का सेवन नियमित अवधि तक करे। डेंगू का मच्छर आमतौर पर दिन में काटता है अतः दिन में मच्छर से बचाव के लिए उपलब्ध साधनों का प्रयोग जरूर करे।

सैमको म्यूचुअल फंड ने सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटी फंड पेश किया

SAMCO MUTUAL FUND

मुंबई, सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एक प्रतिष्ठित निवेश प्रबंधन फर्म, स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड यानी विशेष अवसर निधि (एसओएफ) के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित है। इस अनूठे फंड को बाजार के अवसरों की पहचान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका लक्ष्य कम मूल्य वाले या उपेक्षित अवसरों के माध्यम से दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि दर्ज करना है। इस फंड के खुलने की तारीख 17 मई, 2024 है और 31 मई, 2024 को क्लोज होगा।

सैमको म्यूचुअल फंड का स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड एक डिस्त्रप्शन स्ट्रेटेजी पर तैयार किया गया है जिसमें डिजिटलीकरण, इनसाइडर मिरर ट्रेडिंग, स्पिन ऑफ और कॉर्पोरेट एक्शंस, सुधार-नियामक, सरकार, अंडरवैल्यूड होल्डिंग कंपनियां, प्रीमियमाइजेशन, ट्रेंड्स सस्टेनेबल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजिकल डिस्त्रप्शन, संगठित बदलाव, नए और उभरते क्षेत्र सहित 10 अलग-अलग उप-रणनीतियां शामिल हैं।

इस मॉडल में 10 उप-रणनीतियां निवेशकों के लिए संभावित विकास और मूल्य की तलाश करने के लिए जोखिम और विशेष परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए, विविध प्रकार के निवेश विचारों को सामने लाते हुए व्यवस्थित दृष्टिकोण को सक्षम बनाती हैं। डायनेमिक फ्लेक्सिबिलिटी फंड की एक प्रमुख विशेषता है, जो इसे सभी क्षेत्रों और विषयों में निर्बाध रूप से घूमने की अनुमति देती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह उभरते रुझानों को पकड़ने और बाजार की बदलती गतिशीलता को भुनाने के लिए तैयार है।सैमको म्यूचुअल फंड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, ÷सैमको म्यूचुअल फंड में, हमारा मिशन निवेशकों को अत्याधुनिक और विश्वसनीय वित्तीय समाधानों के साथ सशक्त बनाना है। गतिशीलता और अनुकूलनशीलता सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के मूल में हैं। हमारा फंड डायनेमिक फ्लेक्सिबिलिटी का उदाहरण है, जो निवेश जगत में क्षेत्रों और विषयों के लगातार बदलते परिदृश्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।÷स्रूष्ह्र स्हस्न को यूनिवर्सल निर्देशित होता है, जिसका अर्थ यह है कि यह अपने निवेश के दायरे को एक विशिष्ट बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं करता है।

बायोलॉजिकल कृषि उत्पाद ब्रांड इनेरा ने एमएस धोनी को ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया

नई दिल्ली - बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद विकसित करने वाली अग्रणी अनुसंधान एवं विकास बायोसाइंस फर्म इनेरा ने एम.एसधोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। इनेरा के साथ मिलकर धोनी जनता के बीच संधारणीय प्रकृति के जैव इनपुट के उपयोग का प्रचार करके खेती के क्षेत्र में बदलाव लाने के इनेरा के मिशन को बढ़ावा देंगे।संस्थापक और समूह के सीईओ अगम खरे ने कहा, ÷एम.एसधोनी को अपने साथ जोड़कर, हम एक उत्साही सतत कृषि समर्थक का स्वागत कर रहे हैं।÷उन्होंने आगे कहा कि, ÷ग्रामीण भारत में धोनी की पहुंच अपने आप में बहुत खास है और खेती की बेहतरी के लिए उनकी लगन,जैव इनपुट को बड़े पैमाने पर अपनाए जाने और भारत में खेती को फिर से कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।÷अपने विचार व्यक्त करते हुए, धोनी ने कहा, ÷जैव-कृषि के लिए इनेरा का दृष्टिकोण और उनके बायोलॉजिकल उत्पाद बड़े अच्छे बदलाव ला सकते हैं और इस बदलाव का समर्थन करने पर मुझे गर्व है। खेती से हमेशा मेरा लगाव रहा है। इनेरा के उत्पादों का उपयोग करने के लिए,लाखों किसानों को प्रेरित करने में मैं बहुत उत्साहित हूं।÷खेती में उपयोग किए जाने वाले रसायनों के विकल्प के रूप में बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद दुनिया भर में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। कई पर्यावरणीय नियमों और उपभोक्ताओं के बीच

जैविक उपज की बढ़ती मांग के कारण,उत्तरी अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्रों में इनको बढ़-चढ़कर अपनाया जा रहा है और एशिया-प्रशांत और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी इनको अपनाने की गति में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।भारत सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई'परम्परागत कृषि विकास योजना' जैसी नीतिगत पहलों का उद्देश्य बॉयोलोजिकल कृषि उत्पादों को बढ़ावा देना और उन्हें अपनाने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। हालांकि, भारत में जैव इनपुट में दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है, लेकिन इनके उत्पादन के मामले में अभी भी काफी कमी बनी हुई है। जो जैव इनपुट पारंपरिक रूप से उपयोग किए जाते हैं, उनकी शेल्फ लाइफ और प्रभावकारिता से जुड़ी समस्याएं मौजूद हैं और उनके प्रदर्शन और प्रभाव अक्सर सीमित ही होते हैं।इनेरा अपने उत्पादों से फसल की देखभाल और सुरक्षा के लिए बायोलॉजिकल समाधान प्रदान करती है, जिसमें बायोफर्टिलाजर, बायोस्टिमुलेंट और बायो कंट्रोल शामिल हैं। इनेरा के उत्पादों को प्रोप्राइटरी तकनीकों का उपयोग करके बनाया गया है और ये किसानों और वितरकों द्वारा आमतौर पर सामना की जाने वाली विशिष्ट समस्याओं का हल देते हैं। कंपनी के फील्ड ट्रायल सुविधा केन्द्रों में 25 लाख वर्गफुट क्षेत्र में फैली,कई कृषि जलवायु परिस्थितियों में इन बॉयोलोजिकल्स का बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया है। भारत में बॉयोलोजिकल्स के लिए यह ऐसा सबसे बड़ा सेटप है।

अनमोल इंडिया लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 के लिए शानदार आय की घोषणा की

लुधियाना,। सप्लाई चेन मैनेजमेंट इंडस्ट्री, कमोडिटी ट्रेडिंग और कोल इम्पोर्ट में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक, अनमोल इंडिया लिमिटेड (बीएसई- 542437, एनएसई- हस्रूह्रु) ने 14 मई, 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए कंपनी के ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी दे दी है।

31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने ऑपरेशनल रेवेन्यू से 402.88 करोड़ रुपये रिपोर्ट किए, जिसमें सालाना 8.85त्न की वृद्धि देखी गई। एबिटा (श्वख्ढ्ढ्रष्ठ) 7.14 करोड़ रुपये पर रिपोर्ट किया गया था, जबकि शुद्ध लाभ (क्क्रञ्ज) 3.91 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए, ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 6.45त्न बढ़कर 1410.24 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23), से 1501.24 करोड़ रुपये हुआ। एबिटा (श्वख्ढ्ढ्रष्ठ) ने सालाना आधार पर 14.67त्न की मज़बूत वृद्धि दर्ज की, जो 36.53 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 41.89 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हुई। शुद्ध लाभ (क्क्रञ्ज) सालाना दर पर 12त्न बढ़ा और 18.66 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23), से 20.90 करोड़ (फाइनेंशियल ईयर 24) पहुंचा।

फाइनेंशियल ईयर 24 के परफॉर्मेंस पर टिप्पणी करते हुए, मैनेजमेंट ने कहा कि, ÷यह बहुत खुशी की बात है कि हम कंपनी के पूरे साल के फाइनेंशियल ईयर 24 वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हैं, जो टिकाऊ ग्रोथ और लचीलेपन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमें ऑपरेशनल रेवेन्यू में सराहनीय 6.45त्न की वृद्धि की रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है, जो फाइनेंशियल ईयर 23 में 1410.24 करोड़ रुपये से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 24 में 1501.24 करोड़ रुपये पहुंच गई। हमारे बिजनेस मॉडल की स्थायी ताकत और हमारी रणनीतिक पहल की प्रभावशीलता ने इस विकास को सक्षम किया है।

इसके अलावा, हमारे एबिटा (श्वख्ढ्ढ्रष्ठ) का विस्तार जारी रहा, जो फाइनेंशियल ईयर 23 में 36.53 करोड़ रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 में 41.89 करोड़ रुपये बढ़ रहा है, इसमें 14.67 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हम अपने परिचालन के विभिन्न पहलुओं में ऑपरेशनल एक्सीलेंस और दक्षता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

इसके अलावा, फाइनेंशियल ईयर 24 में हमारा शुद्ध लाभ (क्क्रञ्ज) 12त्न बढ़ गया और फाइनेंशियल ईयर 23 में 18.66 करोड़ रुपये से 20.90 करोड़ रुपये पहुंचा। हम इस ग्रोथ की सहायता से अपने फाइनेंशियल मैनेजमेंट के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखते हुए अपने शेयरधारकों को मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा स्ट्रेटिजिक फोकस लगातार विकास को बढ़ावा देने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और हमारे सभी स्टेकहोल्डर्स को बेहतर मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है। हम इस पूरी यात्रा के दौरान अपनी टीम, ग्राहकों और शेयरधारकों के प्रति अपने अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। साथ मिलकर, हम चुनौतियों से पार पाने, अवसरों का लाभ उठाने और आने वाले समय में सफलता की और भी अधिक ऊंचाइयां हासिल करने की अपनी क्षमता के प्रति आश्वस्त हैं।

अनमोल इंडिया का नेतृत्व आईएसबी के पूर्व छात्र श्री चक्षु गोयल द्वारा किया जाता है, जिन्होंने कंपनी के विकास को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न डिजिटल पहलों का नेतृत्व किया है। अनमोल ने अपनी स्थापना के बाद से ही उल्लेखनीय ग्रोथ के साथ सप्लाई चेन मैनेजमेंट इंडस्ट्री, कमोडिटी ट्रेडिंग और कोल इम्पोर्ट कोयला में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित किया है। कंपनी ने भारत में 100 विभिन्न स्थानों पर ग्राहकों से विश्वास और वफादारी हासिल की है।

कंपनी ने कमोडिटी ट्रेड के लिए एक एंड-टू-एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट दृष्टिकोण को अपनाते हुए एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है। इस व्यापक रणनीति में उन्नत रिसर्च क्षमताओं और एक अनुकूलित ग्लोबल सोर्सिंग स्ट्रेटिजि द्वारा समर्थित सेवाओं की एक वाइड रेंज शामिल है। इसने महत्वपूर्ण पहलुओं को सुव्यवस्थित करके अपने ऑपरेशन्स को मज़बूत किया है, जिसमें सी फ्रेट (समुद्री माल ढुलाई) का कॉर्डिनेशन, सावधानीपूर्वक कार्गो हैंडलिंग, मज़बूत इंश्योरेंस अरेंजमेंट्स, सावधानीपूर्वक फंड मैनेजमेंट, एफिशिएंट इंलेंड लॉजिस्टिक्स और सीमलेस लास्ट-माइल डिलीवरी शामिल है।

इन सुधारों को इसकी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के हिस्से के रूप में लागू किया गया है, जो पहले से कहीं अधिक मज़बूत और कुशल प्रणाली सुनिश्चित करता है। कंपनी सेल्स बढ़ाने और जियोग्राफीकल डाइवर्सफकैशन, फ्लेक्सबिलटी, अडैप्टबिलटी और नेगोशिएशन पावर के रणनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए पोर्टफोलियो और डेमोग्राफिक डाइवर्सफकैशन सहित स्ट्रेटिजिक विविधीकरण का लक्ष्य रख रही है। अनमोल इंडिया लिमिटेड बीएसई औरएनएसई पर सूचीबद्ध है।

मतगणना का कार्य 4 जून को

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 16-छिन्दवाड़ा के मतों की गणना शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में 04 जून 2024 को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.सी.बोपचे ने बताया कि 16-संसदीय क्षेत्र छिन्दवाड़ा के सातों विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 7 पृथक-पृथक कक्षों में की जायेगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमशः जुन्नारदेव, चौरई, सौंसर, परासिया व पांढुर्णा के मतगणना कक्ष में 14-14 गणना टेबिल एवं अमरवाड़ा के मतगणना कक्ष में 16 टेबिल तथा छिन्दवाड़ा के मतगणना कक्ष में 15 टेबिल लगाये जायेंगे।

किसान गंदगी में बैठकर बेच रहा सब्जी

छिंदवाड़ा। गांधी गंज सब्जी मंडी सुबह लगती है, ग्रामीण क्षेत्रों से किसान सब्जी लेकर आते है, मंडी में टीन शेड के नीचे बहुत गंदगी रहती है, नगर निगम का इस ओर ध्यान नहीं है, किसान मजबूरी में गंदगी में ही बैठकर सब्जी बेच रहा है। गंदगी से बदबू आती है, जिससे मलेरिया और डेंगू होने का खतरा है कर्मचारी भेजकर सफाई करवा दूंगा

अनिल मालवी
सेन्टरी इन्सेपेक्टर नगर निगम्

खाटू श्याम कीर्तन एस.डी. लॉन में कल

छिंदवाड़ा। सुप्रसिद्ध भजन गायिका अधिष्ठा भटनागर और अनुष्का भटनागर मंदसौर मध्यप्रदेश से और गायिका तनुश्री वैष्णव चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) से पधारे श्याम परिवार चंदनगांव के तत्वाधान में होने जा रहे, कल दिनांक 18 मई दिन शनिवार को शाम 6 बजे से छिंदवाड़ा नागपुर रोड स्थित एस.डी. लॉन में एक अर्जी मेरे श्याम से भव्य कीर्तन संपन्न होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध गायिका अधिष्ठा भटनागर अपने सुमधुर भजनों की रंगारंग प्रस्तुती देंगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्तों को खाटू श्याम जी के सुंदर दरबार के दर्शन होंगे, साथ ही श्याम रसोई, अलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार, अखण्ड ज्योत, 1 क्विंटल फूलों पुष्प वर्षा, आकर्षक लाईट एवं साउण्ड की एवं अन्य व्यवस्था श्री श्याम परिवार चंदनगांव ने की है, कार्यक्रम में महिलाओं के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर समस्त सनातन धर्म प्रेमियों से समिति ने आग्रह किया है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

तेंदूपत्ता तोड़ने गई युवती लापता हुई

अमरवाड़ा। ग्राम बड़ेला निवासी एक 19 वर्षीय युवती अपने पिता के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गई हुई थी पिता तेंदु पत्ता तोड़ते तोड़ते जंगल में आगे निकल गया युवती दूसरे तरफ जाकर पत्ता तोड़ने लगी थी पिताजी जब लौट कर आया तो देखा लड़की वहां नहीं थी घर जाकर पूछने पर पता चला कि वह लड़की घर भी नहीं आई परिवार के सभी लोग जाकर जंगल में तलाश किया नाते रिश्तेदारों में फोन लगाकर पूछा लेकिन कहीं भी पता नहीं चलने पर पुलिस थाना अमरवाड़ा जाकर शिकायत दर्ज कराई पुलिस द्वारा गुम इंसान कायम कर प्रकरण पताशाजी में लिया गया।

19 वर्षी युवती गायब

अमरवाड़ा। ग्राम पोनर की रहने वाली 19 वर्षी युवती 12 एवं 13 मई की दरमियानी रात्रि में न जाने कहां बिना बताए चली गई परिजनों की द्वारा उसकी तलाश ग्राम के साथ रिश्तेदारों से पूछताछ की गई पता नहीं चलने पर उसके लापता होने की शिकायत अमरवाड़ा थाने में करने पर पुलिस द्वारा प्रकरण पर युवती की पताशाजी की जा रही है।

डेंगू से बचने स्वच्छता रखे

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर कार्यशाला

छिन्दवाड़ा। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के मीटिंग हॉल में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विकासखंड के मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर, मलेरिया निरीक्षक, सर्विलेंस निरीक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी.चौरसिया ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी कर्मचारियों को डेंगू से बचाव के लिये शपथ दिलाई कि हम शपथ लेते हैं कि हम अपने घरों के आस-पास के परिवेश को स्वच्छ रखेंगे, हम अपने घर में कार्यस्थल में अथवा खुली जगह पर पानी का जमाव नहीं होने देगें, हम आज राष्ट्रीय डेंगू दिवस के दिन यह संकल्प लेते हैं कि संक्रमित मच्छरों से होने वाले डेंगू रोग से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु न हो इसके पूर्ण प्रयास करेंगे, हम सभी जल स्त्रोतों की सफाई का ध्यान रखेंगे एवं मच्छरदानियों का उपयोग अवश्य करेंगे, हम अपने घर में एवं आस-पास डेंगू फैलाने वाले मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए साप्ताहिक अभियान चलाकर सभी जलपात्र, कूलर को खाली कर सुखायेगें। हम स्वयं जागरूक रह कर अपने घर, ग्राम, विकासखण्ड, शहर, कार्यालय को मच्छर मुक्त करने में अपना पूर्ण सहयोग देगें एवं अन्य लोगों को भी जागरूक करेंगें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.चौरसिया ने इस अवसर पर बताया कि मच्छरों के उत्पत्ति स्थल को समाप्त कर यदि पानी का बहाव संभव न हो तो कुकिंग ऑयल भी डाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त बीटीआई लिक्विड का उपयोग कर लार्वा नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर आशा कार्यकर्ता के द्वारा लार्वा नष्ट करने के लिये जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

निगमायुक्त ने ली समीक्षा बैठक

समग्र से आधार की ई-केवाईसी करेंः राय

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने गुरुवार को निगम सभाकक्ष में समग्र ई केवाईसी कार्य की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक ली। विगत दिनों निगमायुक्त द्वारा निगम क्षेत्र के सभी वार्ड एवं जोन कार्यालय में समग्र ई केवाईसी हेतु शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। इस आदेश के पालन में सभी 48 वार्ड के साथ योजना कार्यालय, कुकड़ाजगत जोन, जगन्नाथ जोन, चंदनगांव एवं लोनिया करबल जोन में शिविर आयोजित कर समग्र ई केवाईसी का कार्य किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से होने वाली समग्र ई केवाईसी की समीक्षा आयुक्त द्वारा वार्डवार की गई। बैठक दो चरणों में ली गई तथा बैठक में वार्ड एआरआई एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के कार्यों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने कम प्रगति वाले वार्ड के सहायक राजस्व निरीक्षको एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए। इसके साथ आयुक्त ने कम प्रगति वाले वार्डों में अतिरिक्त प्रयास करने एवं सभी वार्ड एआरआई को मृतक, पलायित एवं डबल एंट्री वाले समग्रधारकों की सूची तैयार कर पोर्टल से हटाने के निर्देश भी दिए। बैठक में योजना प्रभारी विवेक चौहान, राजस्व अधिकारी साजिद खान सहित सभी राजस्व निरीक्षक एवं 48 वार्डो के सहायक राजस्व निरीक्षक उपस्थित तथा कंप्यूटर ऑपरेटर्स उपस्थित रहे।

समग्र से आधार की ई केवाईसी नहीं कराने से होगी असुविधा

मध्य प्रदेश शासन की अधिकतम योजनाओं एवं शिक्षा से संबधित कार्यों में भी समग्र आईडी की आवश्यकता होती है। समग्र आईडी को सक्रिय रखने एवं योजनाओं का लाभ लगातार लेने के लिए समग्र का आधार से सत्यापन जरूरी होता है। उदाहरण के लिए सामाजिक पेंशन से लेकर आम नागरिकों द्वारा बनाए जाने वाले आय प्रमाण पत्र के लिए भी समग्र ई केवाईसी अनिवार्य होती है। इसी प्रकार विद्यालय या महाविद्यालय में दाखिले के लिए भी समग्र आईडी की आवश्यकता होती है। इस समग्र आईडी के आधार से लिंक न होने से आम नागरिक योजनाओं से वंचित रह सकते है। इसलिए सभी नागरिकों को समग्र ई केवाईसी कराना अनिवार्य है।

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा अशासकीय महाविद्यालयों में डीएलएड पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2024-25 के लिये पंजीयन की प्रक्रिया 13 मई, 2024 से एम पी ऑनलाईन के माध्यम से शुरू कर दी गई है। उक्त संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल की वेबसाइट https://rsk.mponline.gov.in/ पर जाकर प्रवेश संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद वे अपना ऑनलाइन पंजीयन कर सकते है। प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 26 मई 2024 निर्धारित की गई है।

लौंग, कालीमिर्च, जायफल, लीची की खेती सहित जिले में किए जा रहेअन्य सभी नवाचारों को भी प्रेजेंटेशन में करें शामिलः कलेक्टर

छिन्दवाड़ा। कृषि उत्पादन आयुक्त (ए.पी.सी.) की अध्यक्षता में जबलपुर संभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन 18 मई 2024 को जबलपुर में किया गया है, जिसमें रबी 2023-24 की समीक्षा और खरीफ 2024 के कार्यक्रम का निर्धारण किया जाएगा। यह बैठक विभागवार दो सत्रों में आयोजित की गई है, जिसमें सुबह 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक कृषि और सहकारिता विभाग एवं संबध्द संस्थाओं की समीक्षा की जायेगी, जबकि दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग तथा संबध्द संस्थाओं की समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने एपीसी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक की तैयारी के संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के कृषि एवं कृषि संबध्द सभी विभागों की अद्यतन जानकारी के साथ समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागवार रबी 2023-24 की लक्ष्य पूर्ति और 2024-25 के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना और नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि संभागीय बैठक के लिए तैयार किए जा रहे प्रेजेंटेशन में लौंग, कालीमिर्च, इलायची, जायफल, लीची आदि की खेती के जिले में किए जा रहे नवाचार सहित सभी विभाग अपने-अपने अन्य नवाचारों को भी अनिवार्य रूप से शामिल करें। साथ ही सभी अधिकारियों को तय तिथि एवं समय पर अपने विभागीय वार्षिक लक्ष्य, उपलब्धियां एवं विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति विवरण और रबी 2023-24 की प्रगति एवं खरीफ 2024 की तैयारी की जानकारी सहित जबलपुर में आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने अन्य नवाचारों की संभावना के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों से सुझाव भी लिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल, कृषि वैज्ञानिक, उप संचालक कृषि, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, महाप्रबंधक जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति अधिकारी, उप संचालक उद्यानिकी, वेयर हाउस, नागरिक आपूर्ति निगम सहित कृषि संबंधित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद विक्की पहाड़े के परिवार से मिले बंटी साहू और लखन वर्मा

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष एवं छिंदवाड़ा लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू छिंदवाड़ा के सपूत, अमर शहीद कोर्पोरल विक्की पहाड़े के निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। भाजपा जिलाध्यक्ष एवं लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू ने कार्पोरल विक्की पहाड़े के परिवारजनों को मुख्यमंत्री मोहन यादव का दिया हुआ पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री के पत्र में सर्किट हाउस चौराहे पर शहीद की प्रतिमा एवं प्रवेश द्वार, राज्य शासन द्वारा आर्थिक सहायता घोषणा, पत्नी को शिक्षा विभाग में नियुक्ति, पुत्र के भविष्य हेतु भूमि का आवंटन एवं किसी भी शासकीय संस्था का नाम अमर शहीद विक्की पहाड़े के नाम करने संबंधी बहन ने पत्र सौंपी। श्री साहू ने उक्त सभी विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नेता लखन वर्मा, पाशा भाई, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक, पार्षद भूरा भावरकर, पंकज पाटनी, चंद्रपाल पटेल, संतोष साहू, जितेन्द्र राय, मनीष निर्मलकर, रवि मालवीय, ममल जैन उपस्थित रहे।

अब विज्ञापनों में दिखेंगे नाट्यगंगा के कलाकार

छिंदवाड़ा। जिले की सबसे पुरानी सक्रिय नाट्य संस्था नाट्यगंगा रंगमंडल छिंदवाड़ा जिले में रंगकर्म के प्रशिक्षण, प्रदर्शन और प्रचार के लिए कटिबद्ध है। इस ही क्रम में संस्था के द्वारा प्रतिवर्ष फिल्म और थियेटर एक्टिंग की वर्कशॉप आयोजित की जाती है। जिससे प्रशिक्षित कलाकार न सिर्फ रंगमंच अपितु फिल्म एवं टीवी में अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। इस वर्ष की एक्टिंग वर्कशॉप के प्रतिभागियों को वर्कषॉप समाप्त होने के पहले ही डिजीटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों में अभिनय करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कल अभिनय कार्यशाला के 16वे दिन देश की सुप्रसिद्ध डिजीटल मार्केटिंग कंपनी ब्लूमैक्स बिजनेस सॉल्यूशन के डायरेक्टर और फाउंडर अक्षय जैन और करण बत्रा ने नाट्यगंगा की एक्टिंग वर्कषॉप के नए और पुराने कलाकारों का ऑडिशन लिया और उनका चयन किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन चयनित कलाकारों को विभिन्न विज्ञापनों में अभिनय करने, कटेंट बनाने आदि में अवसर दिया जाएगा। इसके साथ ही इन दोनों अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को डिजीटल मार्केटिंग के संबंध में बारीकी से जानकारी दी। जैसे डिजीटल मार्केटिंग क्या है, इसकी स्क्रिप्ट कैसे बनती है, इसमें कैसा अभिनय किया जाना चाहिए, टार्गेट ऑडियंस की पसंद का ध्यान कैसे रखा जाता है आदि। जिससे सभी प्रतिभागी बहुत ही रोमांचित हुए उनका कहना है कि नाट्यगंगा की एक्टिंग वर्कशॉप अभी पूरी भी नहीं हुई है और हमें इतने अच्छे अवसर मिलने लगे हैं तो वर्कशॉप पूरी होने के बाद क्या क्या होगा। कार्यक्रम का संचालन स्वाति चौरसिया ने किया जो स्वयं डिजीटल मार्केटिंग इंडस्ट्री में कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में सचिन वर्मा, अमजद खान, हेमंत नांदेकर, दानिष अली, अमित सोनी, अंकित खंडूजा, हर्ष डेहरिया आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु पटवारीगणों ने लाइफ बैलेंस शीट से जाना जीवन का रहस्य

छिन्दवाड़ा। जीवन में वास्तविक आनंद को प्राप्त करने तथा अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के लिए राज्य आनंद संस्थान भोपाल द्वारा विभिन्न शासकीय अमलों के साथ अल्पविराम परिचय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है इसी तारतम्य में छिन्दवाड़ा जिला कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह जी के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी के.सी.वोपचे जी के मार्गदर्शन में अल्पविराम परिचय कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षु पटवारीगणों के लिए शासकीय विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में किया गया जिसमें मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले द्वारा आनंद की यात्रा में सम्मिलित होकर हम जीवन में वास्तविक आनंद की अनुभूति प्राप्त करने के लिए हमारे जीवन की जो चिंताए हमारे प्रभाव के दायरे में हो केवल उन्ही पर फोकस करें तो उचित होगा, जिससे व्यक्ति सृजनात्मक विकास की ओर अग्रसर होता है। जीवन के लेखा-जोखा को शीट के माध्यम से जानकर जिंदगी में आनंद को कैसे बढ़ाया जा सकता है इससे अवगत होकर प्रतिभागियों ने इस पहल को जीवन की सार्थकता स्पष्ट करने में उचित कदम बतलाया।मास्टर ट्रेनर कैलाश सोनेवार ने भी अल्पविराम से हुए अपनी लाइफ के परिवर्तनों को प्रतिभागियों के समक्ष शेयर किए। कार्यशाला में पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र के प्रभारी श्री सी.एस. धुर्वे(सहायक अधीक्षक)भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त शाखा,आनंदम सहयोगी नवीन साहू(लेखाधिकारी),डॉ.नितिन टेकरे(आयुष विभाग) एवं प्रशिक्षु पटवारी प्रतिभागियों का सराहनीय योगदान रहा।

पांढुर्ना जिला भाजपा अध्यक्ष के दावेदार

पांढुर्ना से कृष्ण कुमार डोबले एवं सौंसर से राहुल मोहोड़ प्रमुख दावेदार

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। पांढुर्ना-सौंसर छिंदवाड़ा जिले से अलग हो गया शिवराज सरकार ने पांढुर्ना को जिला बना दिया जिसमें सौंसर भी शामिल है। आर्थिक दृष्टि से पांढुर्ना जिला समृद्ध जिला है यहां सन्तरा, कपास, फल्ली के अलावा सौंसर में कन्हान की रेत की मांग बहुत है। राजनैतिक दृष्टि से पांढुर्ना जागरूक जिला है, यहां की जनता नेताओं पर कम विश्वास कर खुद निर्णय लेती है। यहां पर कांग्रेस, भाजपा एवं गोंडवाना का जोर है।

पांढुर्ना को अनुसूचित जनजाति करने के बाद यहां के सामान्य वर्ग के नेता काफी निराश है, उनकी मजबूरी है आदिवासी को नेता बनाना। सौंसर सामान्य क्षेत्र है, यहां कांग्रेस के रेवनाथ चौरे के परिवार का कई वर्षो तक वर्चस्व रहा है, अब नाना मोहोड़ यहां के नेता है, चुनाव से यहां कांग्रेस के विजय चौरे चुनाव जीतते आ रहे है।

पांढ़र्ना में जब सामान्य सीट थी तब भाजपा के मारोतीराव खवसे विधायक रहे। आदिवासी क्षेत्र होने के कारण वर्तमान कांग्रेस के आदिवासी विधायक है।

लोकसभा चुनाव हो गये 4 जून को रिजल्ट आयेगा, किन्तु उसके पहले जिला भाजपा अध्यक्ष को बदलने की सुगबुहाट है।

लोकसभा चुनाव में संगठन को लेकर अधिकांश भाजपा के नेता असन्तुष्ट थे, लोकसभा की कमान भाजपा नेता कैलाश विजय वर्गीय के हाथ थी वे बड़े उत्साहित होकर छिंदवाड़ा में आये थे किन्तु उन्हें संगठन को लेकर निराशा ही हाथ लगी।

बताया जाता है कि चुनाव परिणाम जो भी हो छिंदवाड़ा और पांढुर्ना जिले के भाजपा संगठन में पुर्नगठन होना है।

भाजपा जीत गई तो निश्चित ही यह राममंदिर, मोदी और लाड़ली बहना का असर होगा। संगठन स्तर कई नेता नाराज थे जिन्होने काम ही नहीं किया। भाजपा के आडियो वीडियो चुनाव के समय जो जारी किये गये उससे भाजपा की छबि बहुत धूमिल हुई। जिसको लेकर संगठन में बदलाओ की चर्चा है।

वर्तमान में वैशाली महाले पांढुर्ना की है एवं जिलाध्यक्ष है। वर्तमान में पांढुर्ना से कृष्ण कुमार डोबले, देवीदास राऊत, विष्णु लेन्डे दावेदार बताये जाते है।

कृष्ण कुमार डोबले भाजपा के वरिष्ठ नेता है और मारोतीराव खवसे के साले है, इनकी पत्नी नवोदिता ढोबले जिला पंचायत की अध्यक्ष रही, कृष्ण कुमार डोबले जिला पंचायत के सदस्य रहे एवं अभी भी सक्रिय, पांढुर्ना विधानसभा में इन्हें बहुत काम किया, इसके अलावा प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों में भी प्रवास कर प्रचार-प्रसार किया है, कृष्ण कुमार डोबले के अलावा देवीदास राऊत एवं विष्णु लेन्डे भी दावेदार है।

सौंसर के नाना मोहोड़ के पुत्र राहुल मोहोड़ दावेदार है वे युवा है एवं पढ़े लिखे है, क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है, इसके अलावा संजय भूते एवं धीरज चौधरी भी दावेदार है। पांढुर्ना के जिलाध्यक्ष बनाने में कैलाश वियज वर्गीय की प्रमुख भूमिका रहेगी। चुनाव में संगठन को लेकर कैलाश विजय वर्गीय ने अमित शाह को परिस्थितियों से अवगत करा दिया, जिला संगठन की स्थिति को देखकर अमित शाह काफी नाराज होकर गये। 4 जून के बाद जिले की क्या स्थिति बनती है यह तो भविष्य ही बतायेगा।

4 जून के बाद छिंदवाड़ा एवं पांढुर्ना के दोनों अध्यक्ष बदले जायेंगे और संगठन को ऐसा बनाया जावेगा जो नये एवं पुराने लोगों को लेकर मजबूत से चले। इस चुनाव में संगठन ने पुराने भाजपाई को किसी ने नहीं पूछा जिससे वे घर बैठे रहे। राम मंदिर और मोदी लहर में हार जीत बहुत कम वोटों से होगी जो भी रिजल्ट आयेगा वह इतिहास बनायेगा।

डोबले ने 35 वर्षो से राजनीति में सक्रिय

छिंदवाड़ा। कृष्ण कुमार चेतराम, डोबले ग्राम खैरिपेका तहसील पांढुर्णा जिला पांढुरना 1994 में सरपंच ग्राम पंचायत खैरिपेका 1999 में जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 26 2005 में जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति में सदस्य नवदिता कृष्ण कुमार जिला पंचायत अध्यक्ष 5 से 11 तक सामाजिक राजनीतिक अनेक क्षेत्रों में लगातार 35 वर्षो से भाजपा के अनेक संगठनों में काम किया किसान मोर्चा भारतीय जनता पार्टी कमल वाहिनी युवा मोर्चा किसान संघ अनेक दायित्व का पार्टी के लिए समर्पण भाव से कार्य किया आगे भी करते रहेंगे लोकसभा विधानसभा चुनाव में बुधनी उज्जैन बालाघाट बैतूल अमरावती नागपुर वर्धा अनेक क्षेत्रों में जाकर पार्टी के लिए कार्य किया पार्टी जो भी दायित्व देगी उसका निर्वहन करेंगे 1999 में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लडा छिंदवाड़ा जिला सरकार में सभी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुई है बहुमत नहीं रहने के बाद उसे समय भाजपा के साथ सदस्य थे।

स्व.माधवी राजे सिंधिया को दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। भाजपा नेता व पूर्व विधायक अजय चौरे व संदीप रघुवंशी ग्वालियर में ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां स्व. माधवी राजे सिंधिया की अंत्येष्टि में शामिल हुये एवं श्रृद्धाजंलि अर्पित की।

साध्वी रेखा बहन का हरिद्वार में परलोक गमन

श्री मद भगवद गीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर तर्पण किया

छिंदवाड़ा. संस्कृत पुस्तकोन्नति सभा एवं श्री शक्ति ट्रस्ट द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी गुरुकुल और महिला उत्थान आश्रम में आज श्री योग वेदांत सेवा समिति के साधकों ने साध्वी रेखा बहन (उल्लास नगर) के मोक्ष के लिए श्री मद भगवद गीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर तर्पण किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि हमारे आश्रम में समर्पित बहन साध्वी रेखा का कल हरिद्वार में परलोक गमन हो गया। उनकी उम्र 49 वर्ष थी। जब वो 8 वर्ष की थी उनको हृदय रोग हुआ था। उनके पिता ने ऑपरेशन करवा दिया। डॉक्टरों ने कहा लगभग 15 वर्ष और जीवित रह सकती हैं। उनके पिता पूज्य बापूजी के भक्त थे। उन्होंने रेखा बहन को आश्रम छोड़ आये। आश्रम में पूज्य बापूजी के आशिर्वाद से रेखा बहन ने योग, ध्यान, प्रणायाम और सात्विक आहार लिया। आश्रम की सेवा और साधना में मन लगाया। वो विश्व की प्रसिद्ध वक्ता बनीं। देश भर में जगह - जगह उनके सत्संग कार्यक्रम सम्पन्न होते रहे। 17 जुलाई 2022 को छिंदवाड़ा में उनका ऐतिहासिक सत्संग भी सम्पन्न हुआ, जिसमें लगभग 20 हजार लोगों ने उपस्थित दर्ज की थी। पूज्य संत श्री आशारामजी बापू पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध वो अंतिम सांस तक लड़ते रहीं, देश भर में सनातन संस्कृति और गुरु ज्ञान का प्रचार-प्रसार करते रहीं। 15 मई को उनका शरीर छूट गया। उनके मोक्ष के लिए श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर तर्पण किया। वहीं छिंदवाड़ा के माटी के लाल वीर शहीद विक्की पहाड़े के मोक्ष हेतु पाठ कर तर्पण किया। वीर शहीद विक्की पहाड़े की अंतिम क्रिया वैदिक रूप से करवाने में भी सहयोग किया था। इस दैवीय कार्य में साध्वी नीलू बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े, प्रबंधक सुशील सिंह परिहार, सुजीत सूर्यवंशी, सुभाष इग्ले, बबलू महोरे महिला समिति से विमल शेरके, छाया सूर्यवंशी, डॉ. मीरा पराड़कर, करुणेश पाल, शकुंतला कराडे, सन्ध्या रघुवंशी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समाधि का मूल सम्यकदर्शन है : बा. ब्र. सुमतप्रकाश

वीतराग भवन में अनुयोग के माध्यम से बताया समाधि का स्वरूप

छिंदवाड़ा - तत्वों की जानकारी सम्यक दर्शन भी नहीं और उसका कारण भी नहीं, अकर्ता हमारा स्वभाव है पर हम स्वयं को अकर्ता कहते हैं पर मानते तो कर्ता ही हैं, वास्तव में समाधि का मूल सम्यकदर्शन है, उक्त मार्मिक एवं ह्रदय स्पर्शी बात कही बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन ने वीतराग भवन में चल रहे समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन में अपने प्रवचनों में जिसका लाभ सकल जैन समाज सहित मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवकों ने लिया।

उन्होंने कहा कि परमार्थ स्वीकार कर अनुभव किया जाता है और परमार्थ प्रतीति के लिए है, व्यवहार मात्र कहा जाता है अतः कहिये जो कहवे की होय। श्रद्धा को परिणामित होने के लिए ज्ञान के विस्तार आदि की जरूरत नहीं। आत्मा को परिपूर्ण करना नहीं है वह तो सदा से पूरा ही है।निर्यापक आत्मख्याति के लिए होता है जगत ख्याति के लिये नही। निर्यापक प्रशंसा के भूखे नहीं होते उनकी प्रशंसा तो गणधर करते हैं। यदि हम पवित्र थे और हैं तो किसी भी प्रसंग में रोना नहीं, संबोधन बहुत रीति से सुनाना चाहिए, यदि सामने वाले जीव का ग्रहीत मिथ्यात्व दूर नहीं है, तो पहले में पहले उसके ग्रहीत् मिथ्यात्व दूर करने का उपदेश देना चाहिए, इसी प्रकार सम्यकदर्शन, अनुव्रत फिर महाव्रत। संबोधन करने वाले को विवेकशील, दया, अनुभव और धैर्य होना चाहिए। समाधि का अधिकार प्राणी मात्र को है, जैन धर्म जन जन का धर्म है। संबोधन या उपदेश जीव जहां खड़ा हो, उससे ऊपर उठने के लिए और आगे बढ़ाने के लिए उपदेश दिया जाता है।जैन धर्म में अणुव्रत लेना बहुत ही आसान है, यदि जीव को पांच पाप निंद्य लगते हों और वह गुरुओं के समक्ष निंदा, ग्रहा कर सके, प्रतिक्रमण कर सके तो उसके पांच अणुव्रत प्रारम्भ हो गए। हो सकता है कि अनुव्रतों के आचरण में आने में अभी समय लगे। आत्मा के समस्त दोषों का परिहार करने में प्रतिक्रमण अमृत कुंभ के समान है। जब तक निर्यापक का स्वरूप ना समझ में आए, तब तक उसे समझने का प्रयत्न करना। आत्मा इतना परिपूर्ण तत्व है कि उसे किसी क्रियाकांड की आवश्यकता नहीं है।

महिला उत्पीड़न पर उठ रहे सवाल

चुप क्यों है अब अरविंद केजरीवाल, इंडी गठबंधन में सन्नाटा क्यों है ?

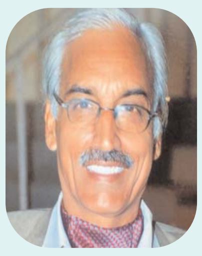

त्वरित टिप्पणी
गोपाल कृष्ण छिब्बर

पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष और आदमी पार्टी को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ 13 मई 24 को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के निवास पर मारपीट की घटना घटित हुई जिसको आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रेस में आकर स्वीकार किया और घटना की गंभीरता को देखते हुवे आरोपी पर कार्यवाही करने की घोषणा की परंतु अभी तक सन्नाटा है

जैसे कुछ हुवा ही नहीं यदि ऐसी घटना बीजेपी के किसी नेता के घर भी होती तो विपक्ष विश्व में चर्चा का विषय बना देता। सवाल यहां राजनीति का नही है महिला सम्मान और उत्पीड़न का है आदर्श और मूल्यों पर स्थापित आम आदमी पार्टी इस तरह अराजक दोगली राजनीति करेगी इसकी कल्पना नहीं की गई थी।

चिंतन का विषय यह भी है की दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा मुखर सांसद के साथ मुख्यमंत्री के निजी सचिव के द्वारा उनके आवास पर मारपीट की घटना का यह पहला प्रमाण है जहा जनता के समक्ष प्रथम दृष्टया घटना की सूचना है परंतु सब चुप है तो यह राजनेता जनता को क्या विश्वास दिलाएंगे की देश में महिलाएं सुरक्षित है जब नेताओं के सरक्षण में ही सांसद महिला को पिटवाया गया ओर कुछ भी कार्यवाही नही हो रही ।यह भी उल्लेखनीय है कि वो संगठन और महिलाएं कहा है जो महिला पहलवानों के के लिए जंतर मंतर पर आंदोलन कर रही थे कैंडल मार्च कर रही थी उसमे भी अरविंद केजरीवाल, प्रियंका गांधी अग्रणी भूमिका निभाते थे ।

16 मई को दिल्ली पुलिस स्वाति मालीवाल से घटना की पुछताज करने उनके घर गई है पुछताज की की गई और बयानों के उपरांत भारतीय दण्ड विधान की धारा 354 , 506 ,509, एवम 323 के अंतर्गत केजरीवाल के सचिव विभव कुमार के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है स्वाति मालीवाल के सीआरपीसी के 161 के बयान महत्वपूर्ण है क्योंकि वे सांसद है एवम् दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी है उनके द्वारा कोर्ट में अपने बयान से बदलना आसान नहीं है परंतु आश्चर्य का विषय यह है कि स्वाति मालीवाल से मारपीट , छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार और धमकी के आरोपी को अरविंद केजरीवाल अपने साथ लेकर लखनऊ गए थे ओर प्रेस वार्ता में यह कहा गया कि स्वाति मालीवाल की घटना कोई मुद्दा नहीं है और कई मुद्दे है यह कैसा दोगली और ओर निम्नस्तर की राजनीति है जो गंभीर चिंतन का विषय हैं अब एफआईआर दर्ज हो गई हैं विभव कुमार की गिरफ्तारी संभव है चुनाव में स्वाति मालीवाल का मुद्दा विपक्ष को भारी पड़ेगा अब तो 21 दिवस की अंतरिम जमानत आप पार्टी को महंगी पड़ रही है बीजेपी इस मुद्दे को भुनाएगी आने वाले दिनों में अरविंद केजरीवाल और क्या गुल खिलाएंगे देखना दिलचस्प होगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर आज कलेक्टोरेट भोपाल में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी जाँच करा रहे हैं।

जबलपुर कलेक्टर ने सहकारी बैंक की भर्ती प्रक्रिया निरस्त की, कई पर कार्यवाही

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जबलपुर में सहायक समिति प्रबंधक से समिति प्रबंधक के पद पर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता पाए जाने पर भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर दिया। शिकायत के बाद उन्होंने जाँच के लिए 3 सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने चयनित 27 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों और चयन प्रक्रिया का परीक्षण किया। जिसमें कई अनियमितताएँ पाई गई। साथ ही मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 55 (1) के तहत जारी कर्मचारी सेवा नियोजन, निबंधन कार्यस्थिति, नियम 1989, 1990, 2002, 2010, 2013, 2015 का भी पालन नहीं किया गया। पूरी चयन प्रक्रिया को दूषित पाए जाने पर यह कार्यवाही की गई।

कलेक्टर ने जाँच के आधार पर संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही भी की, जिसमें पदोन्नति की कार्यवाही में विसंगति का परीक्षण लापरवाही पूर्वक करने वाले अधिकारियों में आशीष शुक्ला, सहकारी निरीक्षक, सहकारिता जबलपुर को निलंबित कर विभागीय जाँच संस्थित की गई है। प्रशांत कौरव तत्कालीन वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारिता जिला जबलपुर वर्तमान वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, जिला सिंगरौली को निलंबित कर विभागीय जाँच संस्थित करने का प्रस्ताव सक्षम अधिकारी को प्रेषित किया गया। संभागीय संयुक्त आयुक्त सहकारिता पी के सि?द्धार्थ द्वारा दूषित चयन प्रक्रिया को नियमों के विपरीत जाकर अनुमोदित करने पर उक्त कृत्य के लिए पीके सिद्धार्थ संभागीय संयुक्त आयुक्त सहकारिता को निलंबित कर विभागीय जाँच संस्थित करने का प्रस्ताव आयुक्त जबलपुर संभाग जबलपुर को प्रेषित किया गया। स्थापना प्रभारी सुभाष पचौरी द्वारा समस्त प्रक्रिया को जानबूझ कर नजरअंदाज करने पर पचौरी द्वारा समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए गए परिपत्रों के साथ साथ वर्तमान नियमों एवं विनियमों को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के संजान में जान बूझकर नहीं लाया गया। अत: सुभाष पचौरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय जांच बैठाई गई।

कई सहकारिता अधिकारी फंसे: तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जबलपुर वर्तमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, नरसिंहपुर देवेन्द्र कुमार राय के कार्यकाल में पूरी भर्ती प्रक्रिया सम्पादित की गई। देवेन्द्र कुमार राय द्वारा आरक्षण के बिना दोषपूर्ण विज्ञप्ति का प्रकाशन किया गया। परीक्षण समिति के दोषपूर्ण परीक्षण को जानबूझ कर नजर अंदाज किया गया। देवेन्द्र कुमार राय द्वारा कर्तव्य निष्पादन में गंभीर लापरवाही बरती गई है। अत: देवैद्र कुमार राय तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जबलपुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जाँच संस्थित करने का प्रस्ताव सक्षम अधिकारी को प्रेषित किया जा रहा है।

पुलिस पर लगा 3 लाख रिश्वत लेने का आरोप: भाजपा विधायक सहित कार्यकर्ताओं ने किया एसपी का घेराव

आगर मालवा। आगर कोतवाली थाने में पदस्थ दो हेड कॉन्स्टेबल पर शिकायत दर्ज करने के एवज में 3 लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। इसकी जानकारी जब भाजपा विधायक मधु गेहलोत को लगी तो उन्होंने समर्थकों के साथ गुरुवार रात एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। जिसके बाद एसपी विनोद कुमार सिंह ने हेड कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह भाटी और हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम विश्वकर्मा को निलंबित कर मामले की जांच सीएसपी को सौंप दी। जानकारी के अनुसार, एक जमीन के सौदे में विक्रय पत्र संपादित होने के बाद राशि लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दूसरा पक्ष ने भी शिकायती आवेदन दिया। प्रकरण दर्ज करने के एवज में 28 अप्रैल को दोनों हेड कॉन्स्टेबल को 3 लाख रुपए रिश्वत दी गई। 1 मई को धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया गया। इस पूरे मामले की जानकारी विधायक मधु गेहलोत को 16 मई को लगी। विधायक गेहलोत ने कहा, जिले की पुलिस भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। इस तरह की रिश्वतखोरी करने से सरकार बदनाम होती है। जो रिश्वतखोरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो सबको हिला कर रख दूंगा। चाहे 100 गाड़ी ले कर जाना पड़े, सीएम हाउस पर धरने पर बैठूंगा। विधानसभा में ऐसे भृष्ट लोग नहीं चाहिए। मैं भृष्ट हुआ तो काट दो मेरा टिकट, मैं इस्तीफा दे दूंगा।

झूठी शिकायत के खिलाफ की थी कार्रवाई की मांग: आवेदनकर्ता डॉ. नरेन्द्रसिंह ठाकुर और गिरीराज बंसिया ने बताया, झलारा में एजाज एहमद से 1 करोड़ 75 लाख रुपए में जमीन का सौदा किया था। उसे 52 लाख रुपए नकद दिए थे। बाकी की राशि चेक से दी, लेकिन उसने बाहर जाने की बात कही और चेक वापस कर दिया। इसके बाद हमने बची हुई राशि उसके खाते में आरटीजीएस और दलाल के माध्यम से जमा कराई ।सौदे की पूरी राशि देने के बाद भी उसने झूठी शिकायत कर वकील के जरिए नोटिस भेजा और 75 लाख रुपए की मांग की। जिस पर हमने कोतवाली थाना में आवेदन दिया। यहां प्रकरण दर्ज करने के एवज में उक्त प्रधान आरक्षकों ने तीन लाख की मांग की। हमने राशि भी दे दी। इसके बाद भी प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। दबाव बनाने पर तीन दिन बाद एजाज खान के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया।

दो प्रधान आरक्षक निलंबित: आगर एसपी विनोद कुमार सिंह ने बताया, पीड़ित पक्ष के आवेदन में गंभीर आरोप होने पर प्रथम दृष्ट्या दोनों प्रधान आरक्षकों को निलंबित कर पूरे मामले की जांच सीएसपी को सौंपी गई है। जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। मामले में पीड़ित पक्ष के आवेदन पर बुधवार को कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

भोपाल। बाणगंगा नाले में बड़े तालाब की पाइपलाइन को सुधारते हुए नगर निगम कर्मचारी।

बिहार के सीतामढ़ी स्थित गोयनका कॉलेज के प्रांगण में आयोजित भाजपा की विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए भारत के गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय अमित शाह। साथ में पूर्व सांसद प्रभात झा, बिहार के राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल, पूर्व सांसद सीताराम यादव, पूर्व सांसद रामकुमार शर्मा साहित विधायकगण पंकज मिश्रा, अनिल राम, दिलीप राय, श्रीमती गायत्री देवी, राज्यसभा सदस्य श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता एवं सीतामढ़ी से एनडीए के प्रत्याशी एवं बिहार विधान परिषद के वर्तमान अध्यक्ष देवेश चंद्र ठाकुर सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

होशंगाबाद रोड में आर आर लैब के फुटपाथ एम्स रोड चौराहे में खुली शराब की दुकान को स्थानीय विरोध के बाद सुरक्षित जगह के बजाय सघन रहवासी इलाके, सागर स्कूल और पंचवट हनुमान और निजी अस्पताल के सामने एम्स रोड पर शिफ्ट किया जा रहा है। साकेत नगर के स्थानीय रहवासी व्यवसायियों ने इसके विरोध में क्षेत्रीय विधायक और मंत्री कृष्णा गौर से उनके निवास पर मुलाकात की।

इंदौर के साथ रतलाम को राष्ट्रीय वाटर अवॉर्ड के लिए चुना गया

इंदौर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने पांचवें 'राष्ट्रीय वाटर अवॉर्ड' के लिए जिन शहरों को चुना है उनमें इंदौर का नाम है। देश के पश्चिमी जोन के तीन जिले चयनित हुए। इसमें मध्यप्रदेश के इंदौर और रतलाम के साथ गुजरात का कच्छ जिला शामिल है। मंत्रालय के दल में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के सहायक संचालक सुनील शर्मा, केंद्रीय भूजल बोर्ड के सीनियर वैज्ञानिक चितरंजन बिस्वाल और भूवैज्ञानिक केएल प्रदीप शामिल हैं।

इस दल ने 15 मई को जिले के ग्रामीण क्षेत्र में और 16 मई को इंदौर शहर में जल संरक्षण व जल संबंधित कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत जाम बुजुर्ग में सीरीज में निर्मित 5 चेक डैम और 3 तालाबों का निरीक्षण किया। सभी संरचनाओं में मई में भी पर्याप्त पानी है। बोल्डर चेक गली प्लग, कन्टूर ट्रेंच आदि संरचनाएं भी देखी गईं। ग्राम बढ़िया व नखराली, लखेरी नदी पर श्रृंखला में निर्मित और जीर्णोद्धार किए गए। चेक डैम के 12 कार्यों का अवलोकन किया गया।

संजय शुक्ला से 140 करोड़ की वसूली, नई तारीख तय होगी

इंदौर। कांग्रेस के पूर्व विधायक और अब भाजपा नेता संजय शुक्ला के परिवार पर खनिज विभाग द्वारा लगाए गए 140 करोड़ रुपए के जुर्माने में एक महीना बीत चुका है। गुरुवार को अपर कलेक्टर कोर्ट में पेशी थी, जिस पर शुक्ला सहित अन्य को जवाब पेश करना था। लेकिन, कोई नहीं आया। अब आगे की तारीख तय होगी। संजय शुक्ला, उनके भाई राजेंद्र शुक्ला सहित दो अन्य को प्रशासन ने अवैध खनन के मामले में 140 करोड़ 63 लाख का नोटिस जारी किया था। बारौली में 4 लाख घनमीटर से ज्यादा मुरम और 2 लाख घनमीटर से ज्यादा पत्थर अवैध तरीके से निकाला गया था। रॉयल्टी सहित अन्य मिलाकर विभाग ने इतनी बड़ी राशि का नोटिस जारी किया था। पहली पेशी 19 अप्रैल को थी। संबंधित पक्ष ने दस्तावेज की डिमांड की, जिसके आधार पर केस बनाया गया था।

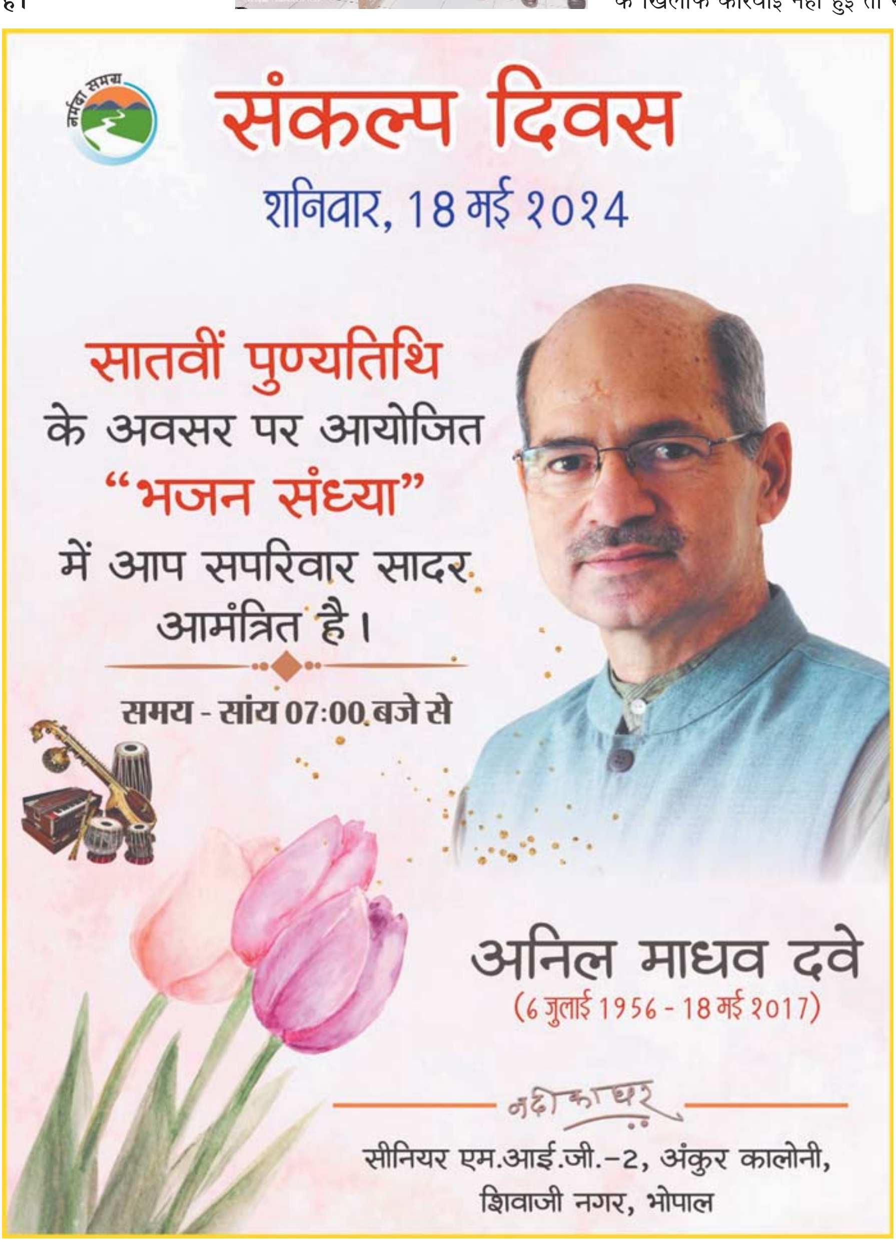

श्रीराम महायज्ञ को लेकर बैठक शाम को

भोपाल। गुफामंदिर लालघाटी भोपाल में दिनांक 12 जून से 16 जून 2024 को पंचदिवसीय नवकुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ एवं रासलीला मंचन का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इस पुनीत कार्य की व्यवस्थाओं हेतु आज शाम को 6 बजे वैठक का आयोजन रखा है। सभी धर्मानुरागी इस वैठक में सादर आमंत्रित हैं।

खजराना गणेश मंदिर में लगेगा दर्शन शुल्क, नई व्यवस्था लागू, गर्भगृह के लिए कलेक्टर से लेना होगा अनुमति

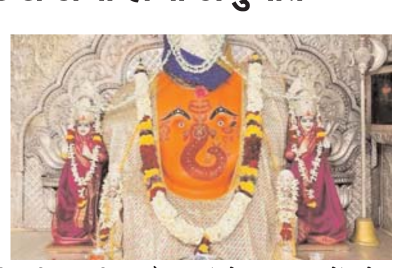

इंदौर। महाकाल मंदिर और प्रदेश के अन्य मंदिरों की तरह, खजराना गणेश मंदिर में भी शीघ्र दर्शन के लिए दर्शन शुल्क लागू कर दिया गया है। बता दें कि, इंदौर का खजराना गणेश मंदिर विश्व प्रसिद्ध है, जहां रोजाना हजारों लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। ऐसे अब खबर आ रही है कि, बप्पा के दर्शन के लिए अब शुल्क लगेगा। बताया जा रहा है कि, यह नई व्यवस्था कलेक्टर आशीष सिंह और मंदिर प्रशासन की सहमति से शुरू की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, अब प्रथम गैलरी से दर्शन के लिए आपको 50 रुपये शुल्क देना होगा। यदि आप दो लोग (पति-पत्नी) हैं तो शुल्क 100 रुपये होगा। बच्चों के लिए कोई शुल्क नहीं है। इस व्यवस्था के लिए सीढ़ियों के पास ही एक काउंटर टेबल स्थापित किया गया है, जहां से आप रसीद कटाकर प्रथम गैलरी से भगवान के दर्शन कर सकते हैं। इस गैलरी के पीछे एक कॉमन गैलरी है, जहां से दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। इस बारे में जानकारी देते हुए। मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट ने बताया कि मंदिर में दुनियाभर से भक्त आते हैं। कई बार बहुत अधिक संख्या होने की वजह से व्यवस्थाएं संभालने में दिक्कत होती है।

दर्शन की व्यवस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए यह नाममात्र का दर्शन शुल्क रखा गया है। इससे हमें दर्शन की व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। अशोक भट्ट ने बताया कि यह राशि सेवा कार्यों में उपयोग की जाती है। मंदिर में रोज हजारों भक्तों को नि:शुक्ल भोजन कराया जाता है।